केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 306 गुरूवार 30 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### गौशालाओं का किया निरीक्षण

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

विक्रमजोत (बस्ती)। खण्ड विकास अधिकारी विक्रमजोत द्वारा बुधवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर पड़ रही तेज व लू से बचाव हेतु गोशालाओं में की गयी व्यवस्था का भौतिक निरीक्षण किया ।खण्ड विकास अधिकारी सुनील कुमार कौशल ने बताया कि अत्याधिक गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी के द्वारा समस्त गोवंश आश्रय स्थलों में गौवंश को लू से बचाने हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये गये है ।जिसके क्रम में गौवंश आश्रय स्थलों पर गौवंशों को लू से बचाने हेतु आवश्यक व्यवस्था जैसे पानी की उपलब्धता, शेड के पर तिरपाल की व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु सभी सचिवों को निर्देशित किया गया है ।बुधवार को लजघटा, रूपगढ़ व मल्लूपुर सहित ग्राम पंचायतों में निरीक्षण के दौरान संचालित गोशालाओं में लू से बचाव के उपाय किए गए हैं।

### लोक अदालत 13 को

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 13 जुलाई 2024 को जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना के निर्देशन में कलेक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जायेंगा। उक्त जानकारी अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार ने दी है।

उन्होने बताया कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, परकाम्य लिखत अधिनियम की धारा–138 से संबंधित मामलें, बैंक वसूली से संबंधित मामलें, मोटर दुर्घटनाओं से संबंधित प्रतिकर याचिकाएं, श्रम वादों,विद्युत एवं जलकर विवाद (चोरी से संबंधित विवादों सहित), ऐसे अन्य प्रकार के जिन वादों का निस्तारण सुलह–समझौते के आधार पर हो सकता है, को अधिक से अधिक संख्या में नीयत कर निस्तारित किया जायेंगा।

### 7 सचिवों को नोटिस जारी

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी नहीं निभाने वाले सात सचिवों को बीडीओ ने नोटिस जारी किया है। लोकतंत्र के महापर्व के दिन भी ब्लॉक के आठ ग्राम पंचायत में मनरेगा का पहिया चलता रहा।

खंड विकास अधिकारी गौर राजेश कुमार सिंह ने बताया कि लोकतंत्र के महापर्व के दिन विकास खंड गौर में आठ ग्राम पंचायत में मनरेगा का कार्य कराया गया। मनरेगा कार्य के लिए इस दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत द्वारा 14–14 दिन का मास्टर रोल जारी होना पाया गया है। इसमें 827 मनरेगा मजदूरों की हाजिरी विभिन्न ग्राम पंचायत द्वारा लगाई गई। जिसमें सचिवों की लापरवाही पाई गई। इसके लिए सचिव कौशलेंद्र पाल,अवधेश राव, संजीव कुमार, कृष्णानंद शाह, श्याम प्रकाश, आरती सिंह व प्रशांत पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

### पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी 30 को

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर प्रेस क्लब समागार में पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी गोष्ठी का आयोजन किया गया है। प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र तिवारी ने उक्त जानकारी देते हुये बताया कि 30 मई दिन गुरूवार को दिन में 11 बजे हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर 'पत्रकारिता का अतीत व वर्तमान विषय' पर गोष्ठी आयोजित की जा रही है। गोष्ठी के माध्यम से वरिष्ठ पत्रकारों को अपने विचार साझा करने का अवसर मिलेगा। उन्होने सभी पत्रकारों से समय से पहुचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील किया है।

# राहुल बाबा 40 नहीं पार कर रहे, चार के अंदर रह जाएंगे अखिलेश बाबू –अमित शाह

**संवाददाता–महराजगंज।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को महराजगंज के जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज खेल मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते कहा कि इंडी गठबंधन के पास पीएम का चेहरा नहीं है। चार जून को भाजपा 400 पार करेगी। पांच चरण में 310 पार कर चुके हैं। सातवें चरण में चार पार करेंगे। राहुल बाबा 40 पार नहीं कर रहे और दूसरे शहजादे अखिलेश चार के अंदर रह जाएंगे। इसके बाद दोनों ईवीएम पर हार का ठीकरा फोड़ेंगे।

वह बुधवार को भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी के पक्ष में जनसभा को संबोधित करने महराजगंज पहुंचे थे। उन्होंने मंच पर आते ही भारत माता की जय कहा। इसके बाद सोनाड़ी देवी मंदिर, अदरौना लेहड़ा देवी, गुरु गोरखनाथ चौक, कटहरा शिव मंदिर, महदेइया विष्णु मंदिर के साथ महान स्वतंत्रा संग्राम सेनानी सिब्बन लाल सक्सेना को प्रणाम करते हुए अपनी बात शुरू की। इस दौरान महराजगंज के लोगों से सवाल पूछा कि मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है या नहीं बनाना है? चार सौ पार करना है कि नहीं करना है? पंकज जी को लगातार तीसरी बार सांसद बनाना है या नहीं बनाना है। जनता ने जय श्रीराम के जयघोष से उनके हर सवाल का जवाब दिया। अमित शाह ने आगे सवाल पूछा कि पाक के एटम बम से डरने वाली कांग्रेस के हाथों में देश सुरक्षित रहेगा या पाक को मुंहतोड़ जवाब देने वाले नरेंद्र मोदी के हाथों में, फैसला आप सभी को करना है। गठबंधन के नेताओं पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन के नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। पीएम मोदी पर आज तक एक पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है। पीएम मोदी ने देश को आगे ले जाने का काम किया है। तभी तो देश की जनता एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के पास पीएम का कोई चेहरा नहीं है। कोरोना में पीएम मोदी ने शानदार काम किया। जबकि कांग्रेस ने इस देश को बांटने का काम किया है। इस गठबंधन में शामिल चेहरों को आप देखेंगे तो भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार नजर आएगा। उन्होंने 12 लाख करोड़ रुपये का घोटाला करने वाले इंडी गठबंधन के नेताओं पर जमकर चोट करते हुए कि इंडी गठबंधन के ही नेताओं ने अयोध्या में कारसेवकों पर गोलिया चलवाई थीं। जिससे सरयू नदी कार सेवकों के खून से लाल हो गई। 70 साल तक कांग्रेस ने मंदिर के निर्माण को लटकाए रखा। लेकिन मोदी ने अपने दूसरे कार्य काल के पांच साल के भीतर भूमि पूजन से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक कराई। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाकर हम सबकी आस्था का सम्मान किया।

अपने संबोधन में अमित शाह ने भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ सांसद पंकज चौधरी के महराजगंज में कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख भी किया। महराजगंज की बंद पड़ी तीन चीनीं मिलों को डेढ़ साल के भीतर शुरू कराने, महान स्वतंत्रता सेनानी सिब्बन लाल सक्सेना को याद करते हुए कहा कि हम भाजपा वाले हैं। एटम बम से नहीं डरते हैं। सिब्बन लाल सक्सेना की भूमि से कहकर जाता हूं कि पाक अधिकृत कश्मीर हमारा है। और हमारा रहेगा। उन्होंने सहारा में डूबे हुए लोगों के रुपये रिफंड कराने का आश्वासन भी दिया।

इस दौरान सांसद प्रत्याशी के अलावा मंच पर उत्तर प्रदेश सरकार में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)गुलाब देवी, विधायक जय मंगल कन्नौजिया, ज्ञानेंद्र सिंह, प्रेम सागर पटेल, ऋषि त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल सहित पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

## सभी जिलों के अस्पताल अलर्ट मोड पर, दोपहर एक से चार बजे तक खुले में काम करने पर लगी रोक

**संवाददाता–लखनऊ।** प्रदेश में गर्मी और लू को देखते हुए अस्पतालों की व्यवस्था पुख्ता कर दी गई है। सभी चिकित्साधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। वार्ड में कूलिंग की व्यवस्था रखने और लू संबंधी सभी दवाएं पर्याप्त मात्रा में रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में तापमान में लगातार बढोघ्तरी हो रही है। मौसम विभाग ने सप्ताहभर लू का प्रभाव अधिक रहने की चेतावनी दी है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी चिकित्साधिकारियों को अलर्ट कर दिया है। मुख्य चिकित्साधिकारियों, चिकित्सा अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों को भेजे निर्देश में कहा कि गर्मी और लू को लेकर पहले से जारी निर्देश का पूरी तरह से पालन किया जाए। इमरजेंसी वार्ड एवं अन्य वार्डों में कूलर, पंखा और एसी को दुरुस्त रखा जाए। गर्मी और लू लगने पर उपचार में प्रयोग होने वाली दवाओं का पर्याप्त स्टाक रखें। जहां दवाएं कम हों, उन्हें तत्काल मंगवा लिया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को भीड़भाड़ वाले स्थानों पर शुद्ध एवं ठंडा पानी की व्यवस्था कराने, गर्मी से बचाव के लिए शेलटर्स की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए हैं। राजधानी में गर्मी के तीखे तेवर से लोग बेहाल हैं। ऐसे में हीट वेव से बचाव के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और नगर निगम के बीच बुधवार को स्मार्ट सिटी के ऑफिस में हुई विशेष बैठक में अहम फैसले लिए गए। इसके तहत अब शहर में दोपहर एक से चार बजे तक निर्माण इकाइयों पर खुले में काम नहीं किया जाएगा। साथ ही किसी भी व्यस्त चौराहे पर दो मिनट से ज्यादा देर तक ट्रैफिक नहीं रोका जाएगा। जिन चौराहों पर ट्रैफिक हल्का है, वहां सिग्नल ब्लिंक मोड पर रहेंगे, यानी ट्रैफिक नहीं रुकेगा। नगर निगम के सभी जोनल ऑफिसों और कूलिंग सेंटर पर लोगों के लिए ओआरएस के पैकेट भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

## मनकापुर में बिना इंजन की दिशा बदले चल सकेंगी अयोध्या रूट की ट्रेनें

**संवाददाता–गोरखपुर।** ट्रेनें मनकापुर होते हुए लखनऊ–बहराइच से सीधे अयोध्या तक चल सकेंगी। इसके लिए मनकापुर स्टेशन पर वाई क्रासिंग बनेगी। साथ ही मनकापुर से अयोध्या तक डबल लाइन (दोहरीकरण) भी बिछाई जाएगी। निर्माण कार्य पूरा होते ही ट्रैक क्षमता बढ़ जाएगी। मांग के अनुसार पर्याप्त ट्रेनों का परिचालन हो सकेगा। दरअसल गोरखपुर–लखनऊ मुख्य रेलमार्ग पर स्थित मनकापुर स्टेशन पर अयोध्या रूट की ट्रेनों के लिए सीधी रेल लाइन नहीं है। गोरखपुर, लखनऊ और बहराइच से अयोध्या धाम की राह और आसान होगी। ट्रेनें रास्ते में बिना रुके निर्बाध अयोध्या तक चल सकेंगी। लखनऊ और बहराइच रूट से अयोध्या जाने वाली ट्रेनों को मनकापुर स्टेशन पर इंजन की दिशा नहीं बदलनी पड़ेगी। ट्रेनें मनकापुर होते हुए लखनऊ और बहराइच से सीधे अयोध्या तक चल सकेंगी। इसके लिए मनकापुर स्टेशन पर वाई क्रासिंग (वाई कनेक्शन) बनेगी। साथ ही मनकापुर से अयोध्या तक डबल लाइन (दोहरीकरण) भी बिछाई जाएगी। निर्माण कार्य पूरा होते ही ट्रैक क्षमता बढ़ जाएगी। मांग के अनुसार पर्याप्त ट्रेनों का परिचालन हो सकेगा। दरअसल, गोरखपुर–लखनऊ मुख्य रेलमार्ग पर स्थित मनकापुर स्टेशन पर अयोध्या रूट की ट्रेनों के लिए सीधी रेल लाइन नहीं है। बहराइच–वाराणसी इंटरसिटी सहित लखनऊ और बहराइच से अयोध्या रूट पर चलने वाली ट्रेनों को मनकापुर में इंजन की दिशा बदलनी पड़ती है। समय से पहुंचकर भी ट्रेनों को मनकापुर में रुकना पड़ता है। इंजन की दिशा बदलने के बाद भी ही ट्रेनें अयोध्या रूट पर आगे बढ़ पाती हैं। इंजन की दिशा बदलने में करीब आधा घंटे का समय लग जाता है। रेलवे पर भी अतिरिक्त ऊर्जा और मानव संसाधन का बोझ पड़ता है।

# भाजपा सरकार बनी तो कानून बनाकर छीन लेगी किसानों की जमीन –अखिलेश यादव

**सोनभद्र (आभा)।** समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर सत्ता में आई तो वह कोई न कोई कानून लाकर किसानों और आदिवासियों की जमीन छीन लेगी। अखिलेश ने रॉबर्ट्सगंज लोकसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी छोटे लाल खरवार के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह वही भाजपा के लोग हैं, जो एक समय पर काले (कृषि) कानून लाए थे, जिनसे उनकी (किसानों की) जमीन छीन ली जाती। काले कानून तो वापस हो गए हैं, लेकिन हमें सावधान भी रहना पड़ेगा। अगर वे फिर से सत्ता में आ गए तो कोई ना कोई ऐसा कानून ले आएंगे जिससे किसानों और आदिवासियों की जमीन कब्जा कर ली जाएगी। हमें सावधान रहकर इनसे मुकाबला करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने केन्द्र में अपने 10 साल के शासनकाल में किसानों को कोई फायदा नहीं पहुंचाया है। अखिलेश ने कहा कि सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ना वह समय पर पानी दे पाए, ना खाद दे पाए और

ना ही कीटनाशक दवाएं दे पाए। किसानों के सामने महंगाई की वजह से संकट पैदा हो गया है। अखिलेश ने कहा कि किसी ने नहीं सोचा होगा कि भाजपा लगातार महंगाई बढ़ा देगी। आज हमारा गरीब और गरीब होता जा रहा है और अमीर और भी ज्यादा अमीर होता चला जा रहा है। जब प्रधानमंत्री से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि क्या हम गरीबों को अमीर बना दें?।

सपा नेता ने कहा, 'सोचिए, देश के प्रधानमंत्री अगर यह सोचते हों कि गरीब अमीर क्यों बन जाएगा तो हम आपसे कहना चाहते हैं कि समाजवादी पार्टी और इंडियाश गठबंधन ने तय किया है कि जब चार जून को इंडियाश गठबंधन की सरकार बनेगी तो हमारे सभी गरीब किसान भाइयों का पूरा कर्ज माफ होगा। अखिलेश ने भाजपा पर ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग का डर दिखाकर बड़े–बड़े उद्योगपतियों से चंदा वसूलने का आरोप लगाते हुए कहा, " भाजपा के लोग चुनावी बॉण्ड मामले पर बात नहीं करना चाहते हैं। भाजपा के इस भ्रष्टाचार की वजह से देश को महंगाई का भी सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार सोनभद्र के लोग इतिहास बनाने जा रहे हैं। आपको सातवें और आखिरी चरण में वोट डालना है। अब हमारे आपके संकट के दिन खत्म होने जा रहे हैं। संकट के दिनों का केवल एक हफ्ता बचा है। चार जून को परिवर्तन का परिणाम आने वाला है। यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने संविधान को भी खतरा पैदा कर दिया है। यह संविधान को भी बदलना चाहते हैं, इसलिए मैं आप सबसे निवेदन करना चाहता हूं जहां यह हमारे आपके भविष्य का चुनाव है, वहीं यह चुनाव संविधान बचाने का भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने परीक्षाओं के पेपर लीक कराये हैं ताकि नौजवानों को नौकरी ना देनी पड़े। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा ने अगर रिकॉर्ड बनाया है नौकरी न देने का तो इंडियाश गठबंधन भी रिकॉर्ड बनाएगा अपने नौजवानों को नौकरी देने का। जहां इन्होंने रिकॉर्ड बना लिया नौकरी छीनने का तो हम लोग नौकरी देने का रिकॉर्ड बनाएंगे। हम 30 लाख खाली पड़े सरकारी पदों को भरेंगे। हम अग्निवीर योजना की आधी अधूरी नौकरी को खत्म करके पक्की नौकरी देंगे। अखिलेश ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो हम गरीब माता–बहनों के खाते में हर साल एक लाख रुपये पहुंचाएंगे। केजी से लेकर पीजी तक की पढ़ाई के लिए उन्हें कोई पैसा नहीं देना होगा। पूरी पढ़ाई मुफ्त होगी।

# सीएम योगी की अगुवाई में उमड़ पड़ा भगवा गूंजा नारा- अबकी बार चार सौ पार

**संवाददाता–गोरखपुर।** बुधवार को कुशीनगर, सलेमपुर, गोरखपुर और बांसगांव लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशियों के लिए चार जनसभाओं को करने के बाद सीएम योगी शाम को गोरखपुर महानगर में रोड शो करने पहुंचे थे। शाम करीब साढ़े पांच बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में टाउनहाल तिराहे से शुरू होकर विजय चौराहे पर संपन्न हुआ रोड शो 51 वेदपाठी विद्यार्थियों के शंखनाद से प्रारंभ हुआ। करीब तीन किलोमीटर लंबे भव्य रोड शो का 41 स्थानों पर विभिन्न व्यापारिक व सांस्कृतिक संगठनों के लोगों व आम नागरिकों ने फूल बरसा कर जोरदार स्वागत किया। फरुवाही लोकनृत्य से देसज लोक भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। जनसैलाब ऐसा कि कहीं तिल रखने की जगह नजर नहीं आ रही थी। उधर विजय रथ पर सवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके साथ सांसद–प्रत्याशी रविकिशन व महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव आस्था, श्रद्धा आर विश्वास के फूलों से पूरे रास्ते सराबोर होते रहे। लोगों के इस विश्वास से भावुक सीएम हाथ जोड़कर, मुस्कुराते हुए, अंगुलियों से विजय चिह्न बनाते हुए, जनता पर अपनी तरफ से भी फूल बरसाते हुए सबका अभिवादन स्वीकार करते रहे।

पुष्पवर्षा की स्थिति यह थी कि जिस स्थान से रोड शो आगे बढ़ता, वहां की सड़क फूलों से पटी दिखाई पड़ रही थी। पूरे रूट पर कोई ऐसा घर या दुकान बाकी नहीं था, जहां से गुलाब और गेंदे के फूलों की पंखुड़ियों की बारिश न हो रही हो। तीन साल के बच्चे से लेकर 90 साल के बुजुर्ग तक, सीएम के विजय रथ पर फूल बरसाते रहे। कई स्थानों पर महिलाओं के समूह ने सीएम योगी की आरती भी उतारी। रोड शो के दौरान अपार उत्साह के बीच जय श्रीराम, जो राम को लाए हैं–हम उनको लाएंगे, एक ही नारा एक ही नाम, मोदी–योगी जय श्रीराम, रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर, फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार चार सौ पार, गोरखपुर का एक मिशन रविकिशन –रविकिशन के जयकारों के बीच कुछ और सुनाई नहीं दे रहा था। जगह–जगह सांस्कृतिक दल के कलाकारों की प्रस्तुतियों, झांकियों ने रोड शो के अभिनंदन का नयनाभिराम नजारा दर्शाया। सीएम योगी के रोड शो में शहर पूरी तरह भगवामय हो गया। टाउनहाल से लेकर विजय चौक तक, जिधर देखो उधर भगवा ही भगवा नजर आ रहा था। लोगों के सिर पर भगवा टोपी, पगड़ी तो हाथ में भगवा या भाजपा का झंडा। रोड शो में कोई पूरी तरह भगवा वस्त्र पहने हुए था तो कोई गले में भगवा पटका डालकर झूमते हुए, नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहा था। उधर पूरे रोड शो के दौरान सीएम मोदी की एक झलक पाने के लिए लोग बेताब थे। रास्ते में पड़ने वाले घरों की छतों पर उमड़े लोग योगी को निहारकर, उन पर फूल बरसाकर निहाल होते नजर आए। रोड शो के रास्ते भगवा, भाजपा के झंडों और केसरिया गुब्बारों से अटे पड़े थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो में धर्म व जाति के सारे समीकरण ध्वस्त नजर आए। बिना भेदभाव की नीति पर चलने वाले योगी के रोड शो में जहां सभी जातियों के लोग उमड़ पड़े तो वहीं इसमें बड़ी भागीदारी अल्पसंख्यक समाज के लोगों की भी रही। रास्ते में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने घरों और दुकानों से फूल बरसा कर सीएम के रोड शो का स्वागत किया। घरों की छतों से कई मुस्लिम महिलाओं ने अपने मोबाइल फोन में वीडियो व तस्वीरों के जरिये सीएम योगी के इस यादगार रोड शो को संजोकर रख लिया।

## आजम खां की पत्नी तजीन फात्मा 7 महीने बाद जेल से रिहा

**रामपुर (आभा)।** आजम खां की बीवी और पूर्व सांसद डॉक्टर तजीन फात्मा 7 महीने बाद बुधवार को जेल से रिहा हो गईं ।रिहाई का संसोधित परवाने के पहुंचने के बाद जेल प्रशासन ने जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें रिहा कर दिया। सपा के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद आजम खां की पत्नी व पूर्व सांसद डॉक्टर तजीन फात्मा सात महीने बाद बुधवार को रिहा हो गईं। संशोधित रिहाई परवाने के जेल पहुंचने के बाद प्रशासन ने जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें रिहा किया। इस दौरान जेल के बाहर बड़ी संख्या में आजम समर्थक और सपाइयों का जमावड़ा रहा। बता दें कि अक्टूबर 2023 में सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में सपा नेता आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और पत्नी डॉ. तजीन फात्मा को एमपी–एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट से सजा हुई थी। आजम खां इस मामले को हाईकोर्ट ले गए। बीती 24 मई को दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में

डॉ. तजीन फात्मा, आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी। सोमवार को डॉ. तजीन फात्मा के अधिवक्ता ने हाईकोर्ट के आदेश को यहां एमपी–एमएलएम मजिस्ट्रेट कोर्ट में दाखिल किया था। उसके बाद जमानती भी भर दिए थे। मंगलवार को डॉ. तजीन की रिहाई को परवाना भी जेल पहुंच गया लेकिन, रिहाई परवाने में धाराएं और क्राइम नंबर गलत लिखा था, इसके कारण रिहाई टल गई थी। बुधवार को संशोधित रिहाई परवाना जेल पहुंचा, जिसके बाद कागजी कार्रवाई पूरी कर जेल प्रशासन ने दोपहर बाद डॉ. तजीन को जेल से रिहा कर दिया। उनकी रिहाई से पहले ही उनके बड़े बेटे अदीब आजम, फरहान खां समेत तमाम समर्थक और सपाई जेल के गेट पर पहुंच गए, जो रिहाई के बाद तजीन फात्मा को साथ लेकर उनके घर पहुंचे। इस मामले में जेल अधीक्षक प्रशांत मौर्य ने बताया कि डॉ. तजीन फात्मा की रिहाई का संशोधित रिहाई परवाना बुधवार को जेल पहुंचा। नियमानुसार सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए उन्हें रिहा कर दिया गया।

## पुण्य तिथि पर याद किये गये पूर्व प्रधानमंत्री, चौधरी चरण सिंहः योगदान पर विमर्श

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को उनके 37 वें पुण्य तिथि पर बुधवार को राष्ट्रीय लोकदल द्वारा याद किया गया।

चौधरी चरण सिंह फील्ड हास्टल में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद न्याय मार्ग स्थित पार्टी कार्यालय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने चौधरी चरण सिंह के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश चौधरी के प्रस्ताव पर सर्व सम्मत से गोरखनाथ चौधरी को रालोद का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष घोषित किया गया।

पार्टी के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने गोष्ठी में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने किसान हितों के लिये आजीवन संघर्ष किया। किसानों को आज जो लाभ मिल रहा है और उन्हें उत्पीड़न से कुछ मुक्ति मिली है इसके पीछे चौधरी चरण सिंह का सर्वाधिक योगदान है। राष्ट्रीय लोकदल उन्ही के बताये मार्ग पर चलते हुये राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी के नेतृत्व में निरन्तर किसान हितों को पूरा कराने की दिशा में संघर्षरत है। कहा कि जब–जब किसान हितों की बात होगी चौधरी चरण सिंह का नाम लिया जायेगा।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि पूंजीपतियों, राजाओं, जमींदारों के चंगुल से छुड़ाकर किसानों को चौधरी साहब ने मुक्ति दिलाया था। संचालन करते हुये रालोद के मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी ने चौधरी चरण सिंह के व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और संगोष्ठी में विचार व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से श्रीराम मौर्य, चन्द्रिका प्रसाद, इन्द्र बहादुर यादव, मुन्नीलाल, महेन्द्र चौहान, अशरफ अली, ओंकार, सद्दाम हुसेन, पंकज चौधरी, सामईन फारूकी के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 मई 2024 गुरूवार

## सम्पादकीय

### पत्रकारिता की धार और धारा

इस वर्ष का हिन्दी पत्रकारिता दिवस 30 मई ऐसे समय में मनाया जा रहा है जब लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान 1 जून को है और नतीज 4 जून को आ जायेंगे। सत्ता में बने रहने और सरकार को बदल देने के द्वंद के बीच पत्रकारिता, पत्रकार और मीडिया घरानों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दिया। पीछे मुड़कर देखें तो भारत की जिस पत्रकारिता को देश को आजाद कराने का गौरव प्राप्त है आज उसका बड़ा वर्ग जनमत के स्थान पर सत्ता प्रतिष्ठानों के दबाव प्रभाव में है। इन सबके बीच अनेक पत्रकारों ने अलख जगाये रखा है। निश्चित रूप से निराशा के बादल हटेंगे और नागरिक पत्रकारिता का नया स्वरूप और समृद्ध होगा इसमें संदेह नहीं।

भारतीय पत्रकारिता के जन्म से लेकर आजतक पत्रकारिता में कई नये आयामों का प्रादुर्भाव हुआ, जो देशकाल, वातावरण एवं सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थितियों की देन रही हैं। जेम्स ऑकस्टस हिक्की ने जब समाचार पत्र हिकीज बंगाल गजट को प्रकाशित किया था, उस समय से लेकर आज तक विषय–वस्तु, भाषा, शीर्षक, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी दृष्टि से समाचार पत्रों के प्रकाशन एवं विषय–सामग्री में काफी परिवर्त्तन आया है और दिन–प्रति–दिन इसमें नये प्रतिमान जुड़ते जा रहे हैं। मसलन, पहले समाचार मूलरूप से साहित्यिक होते थे। उसकी विषय सामग्री साहित्यिक अर्थात् कहानी, उपन्यास आदि से सम्बन्धित रहती थी, लेकिन आज वह बात नहीं हैं। आज पाठकों को विविध प्रकार के समाचारों, विशेष रूप से राजनीतिक समाचारों का अम्बार लगा रहता है। इसी तरह साज–सज्जा, मुद्रण तकनीकी में भी विशेष बदलाव आया है और लेटर प्रेस एवं हैण्ड प्रेस की जगह सुपर ऑफसेट प्रिंटिंग मशीनों ने स्थान ले लिया है, इसलिए आज समाचार पत्र विशेष सुन्दर एवं पठनीय लगते हैं। इस सब के पीछे द्रुतगति से तकनीकी विकास एवं नयी सूचना प्रौद्योगिकी का जन्म होना है। पत्रकारिता जो पहले एक मिशन या स्वान्तः सुखाय के लिए की जाती थी, वह अब पूरी तरह परिवर्तित होकर व्यावसायिक हो गयी है।

स्वतंत्रता के पूर्व पत्रकारिता पूर्णतः साहित्यिक थी। समाचारों के विषयवस्तु साहित्यिक हुआ करते थे, उसमें राजनीतिक घटनाओं को विशेष महत्व नहीं दिया जाता था। उदाहरण के तौर पर भारतेन्दुयुग एवं द्विवेदीयुग के समाचार पत्रों को लिया जा सकता है। परन्तु, कालान्तर में पत्रकारिता के विषयवस्तु में असाधारण परिवर्तन हुआ और पत्रकारिता जन सामान्य के मुद्दों को अधिक महत्व देने लगी। आधुनिक युग में पत्रकारिता जनता एवं सरकार के बीच एक सेतु का काम कर रही है। एक वह एजेंडा सेटिंग का भी कार्य कर रही है और ऐसे विषयवस्तु का सृजन कर रही है जो राजनीतिक होते हुए भी जनसामान्य के हितों के काफी करीब हैं। इतना ही नहीं सामाजिक विषयवस्तु के प्रस्तुति में भी परिवर्तन देखने को मिलता है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में सबसे बड़ा परिवर्तन भाषा के स्वरूप एवं शब्दों का चयन एवं उनके प्रयोग में हुआ है। पहले जब पत्रकारिता का स्वरूप साहित्यिक था तब विशेष रूप में साहित्यिक एवं तत्सम शब्दों का प्रयोग किया जाता था, लेकिन समय परिवर्त्तन के साथ–साथ पत्रकारिता की भाषा में भी बहुत बड़ा परिवर्त्तन आया। उसमें न केवल हिन्दी बल्कि अँगरेजी एवं उर्दू के शब्दों का भी प्रयोग होने लगा। जैसे 'हेडमास्टर साहब आज स्कूल नहीं आए', महिला ने अदालत में अपना बयान दर्ज करवाया। यूँ तो पत्रकारिता के बदलते प्रतिमान के प्रणेता के रूप में हम 'जोसेफ पुल्तिजर' को मानते और कहते हैं कि अपने समाचार पत्र की प्रसार संख्या बढ़ाने के लिए उसने उन सभी प्रतिमानों एवं मापदण्डों का चयन किया, जो न केवल प्रसार वृद्धि में सहायक हुए, बल्कि पीत पत्रकारिता को भी जन्म दिया। हालाँकि गणतंत्र का चौथा स्तम्भ होने के कारण समाचार पत्र को लिखने की आजादी है जो देशहित, समाजहित एवं लोकहित में हो और पत्रकारिता की आचार संहिता का उल्लंघन न करता हो। आज स्थिति भयावह है आज की पत्रकारिता की भाषा बाजारवाद की भाषा एवं विषय–वस्तु बन गयी है।

पत्रकारिता के बदलते प्रतिमान में यह तत्व विशेष एवं प्रमुख रूप से उभर कर सामने आया है। बाजार में अपनी पकड़ बनाये रखने तथा प्रसार संख्या के विस्तार के लिए पाठकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से समाचार पत्रों ने पत्रकारिता की आचार संहिता को ताक पर रख कर इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। पाठकों की नजरों में धीरे–धीरे समाचार पत्र अपनी विश्वसनीयता खोते चले जा रहे हैं। जो एक सभ्य एवं विकासशील समाज के लिए शुभ लक्षण नहीं है।

यद्यपि विशेष विद्वान एवं पत्रकार इसे पत्रकारिता का एक विशेष वर्गीकरण मानते हैं। लेकिन मेरे मत में यह पत्रकारिता के एक नये प्रतिमान के रूप में सामने आया है। यद्यपि यह पाश्चात्य देशों से आयातित किया गया है। विकासशील देशों में यदि पत्रकारिता के उद्देश्यों को देखा जाए, तो यह विशेष रूप में स्पष्ट होता है कि विकासशील देशों में पत्रकारिता का उद्देश्य न केवल सूचना प्रदान करना है, बल्कि जन शिक्षण करना भी है। क्योंकि देश की अधिकांश जनता आज भी अशिक्षित है और उन्हें शिक्षित करना, उन्हें किसी विषय को समझाना पत्रकार एवं पत्रकारिता का प्रमुख उद्देश्य है।

हम यदि पत्रकारिता के दूसरे आयाम 'खोजी पत्रकारिता' को लें तो संयुक्त राज्य अमरिका के 'वाटर गेट काण्ड' के पर्दाफाश के बाद लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ होने के नाते यह पत्रकार एवं समाचार पत्रों के लिए अपरिहार्य हो गया है कि वे सरकार एवं शासन के भ्रष्टाचार, अराजकता, कुरीतियों को उजागर करें, जिनसे न केवल एक आदर्श लोकतंत्र का निर्माण हो सके, बल्कि उसे बचाया भी जा सके। इस परिप्रेक्ष्य में समाचार पत्रों ने काफी सराहनीय कार्य किया है। चाहे वह भागलपुर जेल का 'ऑखफोड़वा काण्ड' हो या '2जी स्प्रेक्ट्रम काण्ड' हो या फिर 'बोफोर्स' आदि का मामला हो, इन तमाम मामलों का पर्दाफाश करने एवं सरकार की नींद उड़ाने में समाचार पत्रों की अहम भूमिका रही है। इसलिए सही मायने में आज सभी समाचार पत्र विशेष रूप से अन्वेषणात्मक पत्रकारिता को ही समाचार मानते हैं, जो जनता को जगाने एवं सूचना देने तथा भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने का कार्य करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप न केवल कई सरकारें चली गयीं, बल्कि विशेष रूप से भारतीय लोकतंत्र भी मजबूत हुआ है।

स्वतंत्रता आन्दोलन के समय भारत में समाचार पत्रों का काफी विकास हुआ, क्योंकि उस समय पत्रकारों एवं समाचार पत्रों का एक मात्र उद्देश्य अँगरेजों की दमनकारी नीतियों का विरोध करना था तथा जनता को उनके प्रति विरोध करने हेतु जागरूक करना था, ताकि अँगरेजों की दासता से देश को मुक्ति मिल सके। इसलिए समाचार पत्रों में कांग्रेस एवं अन्य राष्ट्रभक्तों की गतिविधियों पर आधारित समाचारों को महत्व मिलता था तथा राष्ट्रहित की भावना पर आधारित समाचार ही छपते थे। लेकिन वर्तमान समय में समाचार पत्रों के विषयवस्तु एवं कलेवर बदल गए और गाँधीयुग आते–आते इस तरह के असंख्य समाचार पत्रों का प्रकाशन हुआ। स्वयं गाँधी जी ने ही 'नवजीवन', 'यंगइण्डिया' एवं 'हरिजन' नामक पत्रों का प्रकाशन किया। उम्मीद की जानी चाहिये कि पत्रकारिता की धार और धारा सुरक्षित रहेगी।

# बदलते सन्दर्भो में पत्रकारिता की दिशा– दशा

पिछले तीन दशकों मे भारत में स्वतंत्र पत्रकारिता लगभग समाप्त हो गई है। अखबारों के दफ्तर मीडिया हाउस में परिवर्तित हो गए हैं और जैसा कि कोई भी प्रोफेशनल कंपनियाँ करती है, खबरों का बाजारीकरण होता जा रहा है । लगभग हर कलम की आग धीरे धीरे अपनी कलम की धार खोती नजर आ रही है जो समयानूकूल परिवर्तन की बयार मे बहती नजर आ रही है अब सवाल यह है कि क्या इस पत्रकारिता का औचित्य इस माहौल मे सही ठहराया जा सकता है विचारणीय है।

एक छोटा–सा सुझाव है, जो बड़ा बदलाव ला सकता है। सुझाव पत्रकारों और पत्रकारिता से संबंधित है, जिन पर विगत कुछ बरसों से कई तरह के आरोप लग रहे हैं। फेक मीडिया, गोदी मीडिया और एंटी नेशनल मीडिया आदि नाम पत्रकारिता को दिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि मीडिया संस्थान अपने निजी स्वार्थो के लिए वे सब हथकंडे इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनसे लोकहित लाभहित की बलि चढ़ गया है। वैसे तो ज्यादातर आरोप राजनीति से प्रेरित हैं, पर कुछ ऐसे दमदार वाकए हैं, जिनकी वजह से आत्मचिंतन की जरूरत महसूस की जा रही है। वास्तव में मीडिया संस्थानों, खासकर न्यूज टेलीविजन, को लेकर यह बात आम चर्चा में है कि वे खबरों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं और अपनी

निजी पसंद और नापसंद या किसी कारोबारी स्वार्थ की वजह से खबरों को तोड़–मरोड़ कर परोस रहे हैं।

यह सच भी है और सभी मीडियाकर्मी इस बात से भली भांति परिचित हैं। खबरों को एंगल देने की प्रथा सिर्फ भारत में नहीं, पूरे विश्व में, जहां भी 'फ्री मीडिया' है, शुरू से स्थापित है। कहीं–कहीं यह जरूरी भी है, क्योंकि अमूमन यह एंगल लोकहित के लिए दिया जाता है। इसका एक उदाहरण सरकार द्वारा जारी आकड़े हैं, जिनकी विवेचना पत्रकार सरकारी बयान से अलग हट कर अपनी तरह से करते रहे हैं। पहले भी और आज भी सरकारें इस पर झल्लाती रही हैं, क्योंकि ऐसी व्याख्या उनके नैरेटिव पर प्रश्नचिह्न लगाती है। अगर देखा जाए तो भारत में पिछले तीस वर्षों में स्वतंत्र पत्रकारिता लगभग समाप्त हो गई है। अखबारों के दफ्तर मीडिया हाउस में परिवर्तित हो गए हैं और जैसा कि कोई भी कारोबारी संस्था करती है, खबरों का बाजारीकरण होता गया है। जहां एक ओर मीडिया संस्थान दिन दोगुनी रात चौगुनी कारोबारी तरक्की करते गए हैं, वहीं दूसरी ओर इसी अनुपात में पत्रकार और पत्रकारिता की विश्वसनीयता पाताल में धंसती चली गई है। आज कोई भी यह मानने को तैयार नहीं है कि पत्रकार निष्पक्ष और विश्वसनीय हो सकता है।

वैसे सच यह है कि ज्यादातर पत्रकार अपना काम प्रोफेशनल तरीके से करते हैं। वे आज भी तटस्थ हैं, पर उनकी पत्रकारिता कॉरपोरेट जाल में फंस गई है। एक तरह से वे तथाकथित मीडिया हाउसों के बंधक बन गए हैं और अपनी रोजी–रोटी के लिए उनके मोहताज हो गए हैं। ऐसी स्थिति में जब नौकरी जाने का खतरा हमेशा बना रहता है, यह अपेक्षा करना कि वे कारोबारी हितों के खिलाफ और पत्रकारीय मूल्यों के पक्ष में आवाज उठाएंगे, पूरी तरह गलत है। वे तो अब सिर्फ नौकरी करने आते हैं, क्योंकि पत्रकारिता उनसे मीडिया हाउसों ने लूट ली है। पत्रकारिता और पत्रकार को पुनरू स्थापित करने के लिए हमें वे उपाय तलाशने हैं, जिनसे पत्रकार को आर्थिक सबलता मिल सके और वह मीडिया हाउसों के मालिकाना दबाव से मुक्त हो सके। ऐसा शायद भारत में ही हो सकता है, क्योंकि यही दुनिया का अकेला ऐसा देश है, जिसने पत्रकार और पत्रकारिता की आजादी को महफूज रखने के लिए कई संवैधानिक और कानूनी प्रावधान किए हैं। हमारे संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी की गारंटी के साथ संसद ने वर्किंग जर्नलिस्ट एक्ट 1955 भी पास किया था, जिसमें वेज बोर्ड का प्रावधान है। इसके साथ पत्रकारों को फैक्ट्रीज एक्ट, शॉप्स ऐंड कमर्शियल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, लेबर एक्ट, प्रोविडेंट फंड आदि के तहत भी लाया गया था। अमेरिका और यूरोप में भी ऐसा संवैधानिक और कानूनी संरक्षण पत्रकारों को नहीं मिलता है।

यह सब स्वस्थ पत्रकारिता के लिए काफी था, जब तक अखबारों का कॉरपोरेटीकरण नहीं हुआ था। पर आज क्रांतिकारी सोच से सरकार को एक कदम और आगे बढ़ना है, जिससे श्रमजीवी पत्रकार अपने दायित्व का निर्वाह आत्मविश्वास से कर सकें। यह कदम बहुत छोटा–सा है और इसकी नजीर अन्य श्रमिकों की व्यवस्था में उपलब्ध भी है, पर इसका प्रभाव हमारे लोकतंत्र के लिए दूरगामी होगा। 1996 में संसद ने भवन निर्माण में लगे मजदूरों की आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक कानून बनाया था, जिसमें प्रावधान किया गया कि किसी भी निजी या सरकारी निर्माण पर, जिसकी कीमत दस लाख रुपए से ज्यादा है, एक प्रतिशत कर श्रम विभाग को देय होगा। इस धनराशि का उपयोग भवन निर्माण में लगे श्रमिकों की बेहतरी के लिए किया जाएगा। पिछले बीस साल में इस कोष में कई सौ करोड़ रुपए जमा हो चुके हैं, पर उसका समुचित उपयोग अभी तक नहीं हो पाया है।

एक छोटा–सा प्रयोग उत्तर प्रदेश में एक कर्मठ अधिकारी ने लगभग डेढ़ दशक पहले किया था। पत्रकार कल्याण निधि बनाने के लिए उन्होंने शासनादेश जारी किया था, जिसमें सरकार मीडिया को विज्ञापन ऐड एजेंसी के पंद्रह प्रतिशत कमीशन से पांच प्रतिशत काट कर कोष में जमा कराने का प्रावधान था। पर मामला न्यायालय में फंस कर रह गया और एक अच्छी पहल ठंडे बस्ते में चली गई।श्रमजीवी पत्रकारों (मीडिया संस्थानों की नहीं) को आर्थिक सबलता और माफिक माहौल देने के लिए कल्याण कोष बनाना जरूरी हो गया है। फेक न्यूज, दलालवादी मीडिया, कॉरपोरेट दलदल में फंसने की वजह से पेशेवर पत्रकारों का नुकसान तो हो ही रहा है, पर उससे कई गुना बड़ा नुकसान हमारे लोकतंत्र का हो रहा है। भारतीय लोकतंत्र की जान स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता है और उसकी सबसे पहली रक्षापंक्ति लोक निर्वाचित सरकार है। उसको लोकतंत्र के प्रति अपनी निष्ठा स्थापित करने के लिए पत्रकारिता को सशक्त करना ही होगा। आज जब इस समय पत्रकारिता को और सबल और मजबूत करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए न कि खबरों का बाजारीकरण कर 'गुणगान' मे लिप्त होना।इसी आशा जोशी मे देखता हूँ पहल कौन करने के लिए आगे आता है कारपोरेट हाउस या वो कलम का 'सिपाही'।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर हमें पूरी यात्रा की समीक्षा के साथ ही पत्रकारो के भविष्य पर भी ध्यान देना ही होगा। प्रस्तुति– प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

# आग बरसती गर्मी और मेहनतकश

–निर्मल रानी–

लगभग पूरे विश्व में इस बार भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम वैज्ञानिकों द्वारा इस बात की जानकारी पहले ही दी जा चुकी थी। आज जब सूर्य आग उगल रहा है और धरती पर आग बरस रही है तो मौसम वैज्ञानिकों की इस भविष्यवाणी को सही साबित होते हुये देखा भी जा रहा है। खासकर भारत सहित कई दक्षिण एशियाई देश इस समय भयंकर गर्मी व तपिश की मार झेल रहे हैं। न केवल सुबह होते ही आग बरसनी शुरू हो जाती है बल्कि गर्मियों की रात में जो मौसम थोड़ा बहुत खुशगवार हुआ करता था वह रातें भी अब पूरी तरह से गर्म होने लगी हैं। परिणाम स्वरूप बाजारों व सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। आम लोग सिर्फ किसी बेहद जरूरी कामों से ही बाहर निकलते हैं।अन्यथा बाजार की खरीद फरोखत के लिये शाम को ही घरों से निकल रहे हैं।

परन्तु अपनी ड्यूटी निभाने वाले और मेहनतकश रिक्शा रेहड़ी वालों की किस्मत में आराम कहाँ ? रेलवे के मेहनतकश कर्मचारी, खलासी, गैंगमैन इसी प्रचंड गर्मी में तपते हुये रेल ट्रैक पर कहीं रेल की पटरी बदल कर रहे हैं तो कहीं भारी भारी स्लीपर इधर से उधर ले जा कर हमारी सुरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित कर रहे हैं। पुलिस के जवान मोटी वर्दियां टोपियां पहन कर सड़कों पर ड्यूटी दे रहे हैं। ट्रैफिक के जवान तपते सूरज की परवाह किये बिना चौक चौराहों पर खड़े होकर हमसबको सुरक्षित यातायात देने के लिये प्रतिबद्ध हैं। भारत में अब तक सौ से अधिक लोगों के इस गर्मी की चपेट में आकर मरने की खबर है। जरा सोचिये इसी गर्मी में होने वाले भीषण अग्निकांड में जो फायर फाइटर्स आग बुझाते हैं वे कितनी गर्मी का सामना करते होंगे ? भारत के जिन शहरों में 40 डिग्री तापमान में हाहाकार मच जाता था उन्हीं इलाकों में पारा 50 तक पहुँच गया है और कहीं कहीं तो 50 डिग्री से भी ऊपर चले जाने का समाचार है। जैसलमेर में बंगाल के जलपाईगुड़ी का रहने वाला 173 बटालियन का अजय कुमार नामक एक बी एस एफ का

**याद रखिये आज जिस भीषण गर्मी का सामना हमसबको करना पड़ रहा है उसकी जिम्मेदार प्रकृति नहीं बल्कि हम स्वयं हैं। विकास के नाम पर फैलते कंक्रीट के जंगल, औद्योगीकरण के नाम पर समाप्त होत हरियाली,बढ़ता शहरीकरण, सम्पन्नता के नाम पर बढ़ते वाहन व ए सी,जंगलों की होती अंधाधुंध कटाई आदि मानव जनित है। और यही ग्लोबल वार्मिंग का भी कारण है ,इसी के चलते ग्लेशियर भी पिघलने लगे हैं। गोया आने वाले वर्ष और भी भयंकर गर्मी व तपिश लाने वाले हैं। हम भारतीय लोग जो 40 डिग्री तापमान सहन नहीं कर पाते थे अब 50 डिग्री यानी अरब देशों में पड़ने वाली सामान्य गर्मी झेलने के लिये मजबूर हैं।**

जवान अपनी ड्यूटी पर गर्मी के ताप को सहन न कर पाने के कारण अपनी जान गँवा बैठा। उत्तर भारत के कई इलाके गर्म हवा और लू की चपेट में हैं। इसी मौसम में कहीं कोई बुजुर्ग रिक्शा चलाते दिखाई देगा तो कोई भरी वजन सिर पर उठाये। निर्माण क्षेत्र में तो करोड़ों लोग मिस्त्री व मजदूर तपती धूप में खड़े होकर काम करते दिखाई देंगे।

दूसरी तरफ ईश्वर की कृपा प्राप्त सुविधाभोगी व आराम परस्त वर्ग प्रकृति के इस प्रकोप से बचने के लिये तरह तरह की सुविधाओं का उपभोग कर गर्मी सी निजात पाने की कोशिश करता है। संपन्न वर्ग घरों में ए सी से लेकर कारों व कार्यालयों में भी ए सी का इस्तेमाल करता है। इसका परिणाम यह होता है कि जहाँ कारों से निकलने वाला जहरीला धुआं गर्मी के साथ साथ वातावरण के प्रदूषण को बढ़ता है वहीं ए सी से निकलने वाली गर्मी भी पूरे वातावरण को और भी गर्म करती है। अत्यधिक बिजली खपत के चलते इन दिनों बिजली की कटौती भी खूब होती है। बेशक यह सुविधासंपन्न लोगों का अधिकार भी है कि वे अपनी जरुरत के अनुसार सुविधाओं का इस्तेमाल भी करें। परन्तु इस तपती धूप व आग उगलती गर्मी में हम सब की सुविधाओं के लिये अपनी ड्यूटी निभाने वालों को नजरअंदाज करना भी कतई इंसानियत नहीं।

ऐसे में यदि हम देखें कि कोई भारी वजन लादे हुये मेहनतकश अपनी रेहड़ी ठेला खींच रहा है तो जल्दी रास्ता देने के लिये बार बार हॉर्न बजाकर उसे परेशान करने या उसपर गुस्सा दिखाने के बजाये कार से उतरकर उसकी रेहड़ी ठेले को धक्का देकर उसकी मदद करने की कोशिश करें । इससे उसे सहायता भी मिलेगी साथ ही आपको यह एहसास भी होगा कि इतनी गर्मी में भारी वजन खींचने वाले हम जैसे दूसरे इंसान पर क्या गुजर रही होगी । कोई रेल कर्मी ,पुलिस कर्मी या ट्रैफिक वाला अथवा फौजी धूप में खड़ा करता दिखाई दे तो उसे ठंडा पानी देने का प्रयास करें, किसी को छाता देकर उसे धूप से बचाने की कोशिश करें। संभव हो तो इस गर्मी में हाथ से हिलाने वाले पंखों का वितरण करें। ककड़ी,खीरा,तरबूज व खरबूजा जैसे गर्मियों में राहत देने वाले फल जरूरतमंदों को वितरित करें। टन्डे पानी की छबीलें लगायें। अपने घरों दुकानों के आसपास सड़क पर जल छिड़काव करें। सरकार को भी सड़कों पर पानी का छिड़काव करने के लिये सक्रिय भूमिका निभानी चाहिये। गरीबों व आम लोगों के दान दक्षिणा से चलने वाले धर्मस्थलों को भी इस भयंकर गर्मी में अपनी दान पेटी का मुंह ऐसे रहत कार्यों के लिये खोलना चाहिये। अनावश्यक आग जलाने व धुआं फैलाने से भी परहेज करें। पेड़ काटने के बजाये वृक्ष लगाने के अभियान चलायें।

याद रखिये आज जिस भीषण गर्मी का सामना हमसबको करना पड़ रहा है उसकी जिम्मेदार प्रकृति नहीं बल्कि हम स्वयं हैं। विकास के नाम पर फैलते कंक्रीट के जंगल, औद्योगीकरण के नाम पर समाप्त होत हरियाली,बढ़ता शहरीकरण, सम्पन्नता के नाम पर बढ़ते वाहन व ए सी,जंगलों की होती अंधाधुंध कटाई आदि मानव जनित है। और यही ग्लोबल वार्मिंग का भी कारण है ,इसी के चलते ग्लेशियर भी पिघलने लगे हैं। गोया आने वाले वर्ष और भी भयंकर गर्मी व तपिश लाने वाले हैं। हम भारतीय लोग जो40 डिग्री तापमान सहन नहीं कर पाते थे अब 50 डिग्री यानी अरब देशों में पड़ने वाली सामान्य गर्मी झेलने के लिये मजबूर हैं। धनाढ्य लोग जो गर्मी के मौसम में पहाड़ी क्षेत्रों में चले जाया करते थे उनकी बढ़ती संख्या ने वहां के मौसम को भी बदल दिया है। मिसाल के तौर पर शिमला व नैनीताल जैसे पर्वतीय पर्यटन स्थलों पर भी अब खूब गर्मी पड़ने लगी है। कारों की कतारें ,ट्रैफिक जाम,असंख्य होटल,पार्किंग समस्या लगभग सभी पर्वतीय पर्यटन क्षेत्रों की नियति बनकर रह गयी है। ऐसे में प्रत्येक साधन संपन्न व धनाढ्य लोगों का कर्तव्य है कि वे इस आग बरसती भीषण गर्मी में जहाँ स्वयं वातावरण को और अधिक प्रदूषित करने से परहेज करने का प्रयास करें वहीं मेहनतकश व कामगार लोगों पर तरस खायें और उन्हें यथा संभव सहयोग करें। यकीन जानिये आपकी थोड़ी सी सहायता व सहयोग से किसी कामगार,मजदूर व जवान के दिल से निकली दुआ आपको न केवल पुण्य का भागीदार बनायेगी बल्कि आपकी आत्मा को भी तृप्त करेगी।

# खेतों से उजड़ते पेड़

–पंकज चतुर्वेदी–

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो अतिरिक्त आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'नेचर सस्टैनबिलिटी' में 15 मई, 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि–वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व–त्योहार, लोकाचार, गीत–संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द–गिर्द रहे हैं।

मार्टिन ब्रांट , दिमित्री गोर्मिस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित करिरिया , वेंकन्ना बाबू गुथुला, फिलिप सियाइस , जियाओंग टॉंग , वेनमिन झांग , धनपाल गोविंदराजुलु , डैनियल ऑर्टिज–गोंजालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलना मुश्किल है। इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है। जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 करीब की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर–पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण–मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010–11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़ गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं।

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजाड़ा क्यों? किसान भलीभांति जानता है कि खेत की मेड़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है पानी संचयन, पत्तों और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का अहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट–पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं का छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल–फूल से अतिरिक्त आय तो है ही।

इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम व नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता है। एक बात समझना होगा कि हमारे यहां तेजी से खेती का रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय–समय पर व्यवसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा।

आज से पचास साल पहले 1970–71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे कम जमीन हो। 2015–16 आते–आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। अनुमान यह कि आज इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है। ऐसा ही छोटे, अर्ध मध्यम और मझोले किसान के साथ हुआ।

कम जोत का सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है। अब वह जमीन के छोटे से टुकड़े पर अधिक कमाई चाहता है तो उसने पहले खेत की चौड़ी मेड़ को ही तोड़ डाला। इसके चलते वहां लगे पेड़ कटे। उसे लगा कि पेड़ के कारण हल चलाने लायक भूमि और सिकुड़ रही है तो उसने पेड़ पर कुल्हाड़ी चला दी। इस लकड़ी से उसे तात्कालिक कुछ पैसा भी मिल गया। इस तरह घटती जोत का सीधा असर खेत में खड़े पेड़ों पर पड़ा। सरकार खेतों में पेड़ लगाने की योजना, सब्सिडी के पोस्टर छापती रही और किसान अपने कम होते रकबे को थोड़ा–सा बढ़ाने की फिराक में धरती के शृंगार पेड़ों को उजाड़ता रहा।

# देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों का होगा 'राम- नाम सत्य' -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

**संवाददाता–कुशीनगर।** सीएम योगी ने प्रदेश की बेहतर शासन व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि एक दौर था जब पडरौना में डोल मेला पर सपा की सरकार रोक लगा देती थी। डोल मेला निकालने वाले लोगों को सपा की सरकार जेल में बंद कर देती थी, हम लोगों को इसके लिए लड़ाई लड़नी पड़ी थी। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि हाटा में हर बार दंगा होता था, लेकिन पिछले सात साल में आपने किसी को दंगा करते हुए देखा है क्या।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि प्रदेश में कोई डोल यात्रा रोक पाएगा क्या? आज कोई गोकशी कर सकता है? आज किसी बेटी और व्यापारी की सुरक्षा पर कोई सेंध लगा सकता है? नहीं लगा पाएगा क्योंकि उसे पता है कि अगर वह ऐसा करेगा तो उसे उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उसे मालूम है कि बेटी और व्यापारी की सुरक्षा की कीमत अब जेल नहीं जहन्नुम होता है। उसे मालूम है कि देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों का 'राम–नाम सत्य है' की यात्रा भी निकलेगी। उन्होंने कहा कि देश में एक तरफ विकास के लिए समर्पित भाजपा की सरकार है तो वहीं, दूसरी तरफ बांटो और राज करो वाला कांग्रेस गठबंधन। इसने अपने घोषणापत्र में कहा है कि अगर हम सत्ता में आते हैं तो मुसलमानों को आरक्षण देंगे। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने कई बार कहा है कि आरक्षण होना चाहिए, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता। ये लोग पर्सनल लॉ लागू करेंगे, पर्सनल लॉ का मतलब तालिबान शासन, जिसे हम लागू नहीं होने देंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा की घोषणा है कि भारत की व्यवस्था बाबा साहब द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगी, किसी शरीयत कानून से नहीं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अपनी हार सुनिश्चित मानकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। इनकी मंशा कभी पूरी नहीं होगी। भारत की जनता बहुत जागरूक है और वह मोदी जी के नेतृत्व में फिर एक बार सरकार बनाएगी और अब तो जनता की ओर से ही आवाज आ रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे और राम भक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर। स्वाभाविक रूप से मोदी जी ही परम राम भक्त और परम राष्ट्र भक्त हैं तो मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए और भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी और इस दिशा में हम आगे बढ़ चुके हैं। कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर प्रहार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि संविधान का सबसे ज्यादा मखौल कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन से जुड़े लोगों ने उड़ाया है और आज भी वह यही कर रहे हैं। देश के अंदर स्वतंत्र भारत में संविधान बना ही था कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के विपरीत जाकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने धारा 370 को देश के संविधान में जबरन डालने का काम किया। कांग्रेस ने संविधान में कितने संशोधन किए यह किसी से छिपा नहीं हैं। कांग्रेस ने अपनी पहली ही सरकार में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कैद करने का कार्य किया था तो 1975 में इमरजेंसी के माध्यम से संविधान का गला घोंटने का काम भी कांग्रेस ने ही किया था। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर बार–बार इस बात को कहते थे कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता। सीएम योगी ने कांग्रेस समेत उसके गठबंधन के अन्य दलों पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि संविधान का सर्वाधिक मजाक कांग्रेस और उसके गठबंधन चाहे वो सपा हो, टीएमसी हो, आरजेडी हो या फिर आम आदमी पार्टी हो, इन सभी ने उड़ाया है और ये लोग आज भी यही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने 2012 और 2014 के इलेक्शन में अपने मेनिफेस्टो में इस बात का उल्लेख किया था कि वह मुसलमानों को भी आरक्षण देगी। उत्तर प्रदेश की पीएसी में 15 फीसदी आरक्षण की घोषणा भी इसी समाजवादी पार्टी ने की थी। सपा का चरित्र जगजाहिर है, इसी तरह आरजेडी में लालू यादव भी बोल चुके हैं कि बिहार के अंदर सभी मुसलमानों को वे आरक्षण का लाभ देंगे।

टीएमसी के एक फैसले को कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभी पूरी तरह पलटकर वहां की सरकार के मुंह पर तमाचा मारा है और कहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता। कांग्रेस का मेनिफेस्टो कहता है कि यह भारत के अंदर पर्सनल लॉ लागू करेंगे, पर्सनल लॉ लागू करने का मतलब तालिबानी शासन। बेटी स्कूल नहीं जा पाएगी, माताएं, बहनें बाजार और ऑफिस नहीं जा पाएंगी। बुर्का पहनकर घर में दबा रहना पड़ेगा। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा बेटियों के सम्मान और उनकी सुरक्षा के प्रति संकल्पित है। भाजपा ने बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा दिया है तो मातृ वंदन योजना भी लाए हैं।

# भाजपा सांसद बृजभूषण के बेटे करण के काफिले से टकराई बाइक, दो की मौत, आरोपी ड्राइवर गिरफ्तार

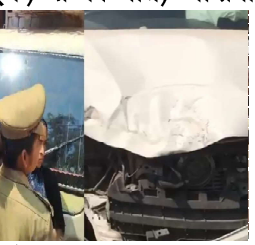

**संवाददाता–गोण्डा।** कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह के पुत्र और भाजपा उम्मीदवार करणभूषण सिंह के तेज रफ्तार गाड़ियों के काफिले ने तीन लोगों को रौंद दिया, जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य महिला की हालत नाजुक है, प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। यह हादसा करनैलगंज–हुजूरपुर मार्ग पर छतईपुरवा स्थित बैकुंठ डिग्री कालेज के करीब बुधवार की सुबह हुआ। दुर्घटना के बाद एस्कॉर्ट में चल रही फॉर्च्यूनर गाड़ी छोड़कर मौके से बाकी लोग भाग खड़े हुए। सूचना मिलते ही मौके पर गांववालों की भीड़ जमा हो गई। सड़क पर विरोध के साथ–साथ आक्रोशित लोगों ने गाड़ी फूंकने की कोशिश भी की। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर लवकुश श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया है। वह नवाबगंज के सिरसा खैरणाढ़ा का रहने वाला है। हादसे के बाद कटराबाजार, परसपुर, कौड़िया व करनैलगंज थाने की पुलिस फोर्स ने मोर्चा संभाल लिया। करनैलगंज–हुजूरपुर मार्ग पर करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। एसडीएम, अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ करनैलगंज व सीओ सिटी के सामूहिक प्रयास और मुकदमे के आश्वासन के बाद आक्रोशित लोगों ने जाम हटाया। करणभूषण के भारी भरकम काफिले में चल रही फॉर्च्यूनर गाड़ी ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया। निंदूरा निवासी रेहान खान (21) और शहजाद खान (20) ने मौके पर दम तोड़ दिया। वहीं सड़क के किनारे जा रही छतईपुरवा निवासी सीता देवी (60) को भी टक्कर मार दी।महिला गंभीर रूप से घायल है, उसे मेडिकल कॉलेज गोंडा रेफर किया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि काफिला करनैलगंज से हुजूरपुर की तरफ जा रहा था, जबकि बाइक सवार युवक करनैलगंज आ रहे थे। वाहनों के काफिले में सबसे आगे कैसरगंज के भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह की गाड़ी चल रही थी। काफिले में सुरक्षाकर्मियों को लेकर चल रही फॉर्च्यूनर यूपी–32 एचडब्ल्यू–1800 भी हादसे के बाद क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के भीतर सभी एयरबैग खुल गये। यह वाहन नंदिनी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के नाम पंजीकृत है। पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी, चक्काजाम और युवकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए न ले जाने की जिद पर अड़े लोगों से पुलिस की तीखी नोंकझोंक हुई। काफी जद्दोजहद और मान–मनौवल के बीच पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उसके बाद मौके पर खड़ी फॉर्च्यूनर गाड़ी को फूंकने का प्रयास किया गया। गाड़ी पर पुलिस एस्कॉर्ट लिखा है और काफिले में यह साथ चल रही थी। भारी संख्या में पुलिस ने पहुंचकर लोगों को शांत करने का प्रयास किया। लोगों के उग्र होने की स्थिति को देखते हुए आसपास के थानों की पुलिस, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस क्षेत्राधिकारी, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार सहित तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे और उग्र लोगों को किसी तरह शांत कराया। सड़क हादसे की तहरीर मृतक रेहान खान की मां चंदा बेगम की तरफ से कोतवाली में दी गई है। तहरीर के मुताबिक फॉर्च्यूनर वाहन संख्या यूपी–32 एचडब्ल्यू–1800 के विरुद्ध तहरीर दी गई है। कहा गया है कि चालक लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए सड़क से दाहिनी तरफ आ गया और बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों युवकों की मौके पर मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवक करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत निंदूरा गांव के निवासी हैं। आजाद खान का बेटा शहजाद एक दिन पहले सऊदी अरब से आया था। वह रेहान खान के साथ करनैलगंज बाजार की तरफ बाइक से जा रहा था। रेहान शहजाद के चाचा अजमेरी खान का बेटा था। हादसे के बाद गांव में कोहराम मच गया। निंदूरा समेत आसपास के गांव के लोगों की भीड़ छतईपुरवा में घटनास्थल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और करनैलगंज कोतवाली में जमा हो गई। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया गया है।

# देश में पर्सनल ला लागू करना चाहते हैं सपा कांग्रेस गठबंधन –सीएम योगी

**संवाददाता–देवरिया।** नगर के बीआरडी इंटर कॉलेज के मैदान पर भाजपा प्रत्याशी रविंद्र कुशवाहा के समर्थन में सीएम योगी ने एक जनसभा को संबोधित किया। बुधवार को आयोजित रैली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और सपा का गठबंधन देश में फिर से पर्सनल लॉ लागू कर देश में तालिबान शासन लाना चाहते हैं। ताकि बेटी स्कूल न जाए और महिलाएं बाजार न जा सके। यह भारत को तालिबान बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की व्यवस्था बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बने संविधान से चलेगी सरिया कानून से नहीं। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस अपने घोषणा पत्र के जरिए वरासत टैक्स लगाने की तैयारी में है। इसके जरिए देश में संयुक्त परिवार की आधी संपत्ति टैक्स में वसूल लेगे। यह व्यवस्था अमेरिका में लागू है ।जहां संयुक्त परिवार नहीं है। सपा कांग्रेस गठबंधन वरासत टैक्स के जरिए संयुक्त परिवार की आधी संपत्ति लेकर वहां पाकिस्तान और बांग्लादेशी नागरिकों को बसाना चाहती है।

भाजपा ऐसा नहीं होने देगी। क्योंकि यह हमारे मूल्यों, आस्था और सुरक्षा के साथ खिलवाड है। उन्होंने कहा कि सपा शासन में यही भाटपार रानी में हिंदू मुस्लिम दंगा वर्ष 2003 में हुआ था, जिसमें अनेक हिंदुओं को फसाया गया था, जिन्हें संघर्ष करके मैं छुड़वाया था। उन्होंने कहा कि एक तरफ विरासत और विकास भी सुरक्षा और सम्मान भी गरीबों का उत्थान भी और दूसरी तरफ सपा और कांग्रेस ने गठबंधन कर माफियाओं और सरगनाओ को गले का हार बनाते हैं। अयोध्या में रामलाल का भव्य मंदिर निर्माण विरासत के विकास का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने केंद्र की सुरक्षा से लेकर बिना भेदभाव के कल्याणकारी योजनाओं पर काम किया है। देवरिया में मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में एम्स की स्थापना ,हर घर नल योजना ,देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन ,12 करोड लोगों को किसान सम्मन निधि ,10 करोड लोगों को शौचालय, 4 करोड लोगों को मुफ्त आवास आदि की योजनाएं उपलब्ध कराई है।

इस दौरान जनसभा को सांसद रविंद्र कुशवाहा प्रत्याशी, प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, विधायक सभा कुंवर, जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद्र तिवारी,राघवेंद्र वीर विक्रम सिंह ने भी संबोधित किया और भाजपा के लिए वोट मांगा।

# जगतगुरु श्रीधराचार्य से कृष्ण जन्म की कथा सुन धन्य हुए भक्त

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

अयोध्या।दौसा राजस्थान से पधारे हुए भक्तों द्वारा आयोजित श्री मद भागवत कथा में व्यास पीठ पर विराजमान जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीधराचार्य महाराज ने कहा परीक्षित सुखदेव जी से कहते हैं प्रभु कोई ऐसी कथा श्रवण कराएं जिससे मेरा मन और भी स्थिर हो जाए सुखदेव जी महाराज पशु रूप में गज और ग्राह की कथा का श्रवण कराते हैं गज के विपत्ति में पड़ जाने पर जब संसार का सभी साथ छूट गया तो गज ने एक कमल पुष्प अपनी सूंड में लेकर प्रभु नारायण को स्मरण किया भगवान बैकुंठ से दौड़कर आते हैं काल रुपी ग्रह का संघार करते हैं जीव किसी भी योनि में रहे यदि अनन्य भक्ति परमात्मा के प्रति उसकी हो जाए तो प्रभु अपने वैकुंठ को छोड़कर जीव की रक्षा के लिए दौड़ते हुए आते हैं वामन अवतार की कथा श्रवण कराते हुए महाराज श्री ने कहा राजा बलि ने तो केवल लौकिक संपत्ति का दान प्रभु के लिए किया लेकिन अकारण निधि करुणा सिंधू भगवान श्रीमन्नारायण प्रभु ने अपने को ही राजा बलि के द्वारपाल के रूप में समर्पित कर दिया भगवान श्री राम के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए महाराज जी ने कहा मनुष्य को मानवता की शिक्षा देने के लिए प्रभु मानव रूप में इस धरा पर आते हैं भगवान श्री राम के जैसा भ्रातृत्व प्रेम यदि हमारे जीवन में आ जाए तो इस घोर कलयुग में भी हम मनुष्य प्रसन्नता पूर्वक रह सकते हैं भक्त जनों की रक्षा के लिए और दुष्टों के विनाश के लिए धर्म की स्थापना के लिए भगवान इस धराधाम में रामकृष्ण आदि रूपों में अवतरित होते हैं महाराज श्री ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म तक की कथा का श्रवण कराया सभी भक्तों ने भगवान श्री कृष्ण का जन्म महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की भजनों के साथ नृत्य किया बधाई बाटी गई सभी भक्तजन कथा को सुनकर आनंदित हो रहे हैं कथा का समय शाम 4 बजे से 7 बजे तक है।

# नए कानून को लागू करने से पहले पूरी तरह से जानें

**संवाददाता–श्रावस्ती।** केन्द्र सरकार के तीन नए कानूनों को लागू करने के लिए पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंगलवार से शुरू हुआ प्रशिक्षण बुधवार को भी जारी रहा। पुलिस आफिस के सभागार में एसपी की अध्यक्षता में पुलिस कर्मियों को तीन नए कानून तथा उसका पालन कराने का तरीका बताया गया। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से लागू होना है। इन तीन कानूनों को लागू करने के लिए पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है जिसे लेकर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी घनश्याम चौरसिया की ओर से प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें तीन नए अधिनियमों के संबंध में पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को जानकारी दी गई। एसपी ने बताया कि तीन नए कानून पुराने कानूनों की जगह पर स्थान लेंगे।

# भीषण गर्मी में समर कैंप आयोजन को लेकर शिक्षक संघ ने किया विरोध

**संवाददाता–बलरामपुर।** जिले के परिषदीय विद्यालयों में बेसिक शिक्षा विभाग से ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समर कैंप आयोजित करने के आदेश का विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन ने विरोध किया है। संघ ने इसे अव्यावहारिक करार देते हुए भीषण गर्मी में इस आदेश को वापस लेने की मांग की है। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन प्रांतीय कोषाध्यक्ष दिलीप चौहान ने स्कूल शिक्षा महानिदेशक लखनऊ को पत्र भेज कर परिषदीय विद्यालयों में पांच से 11 जून तक समर कैंप आयोजित करने का निर्देश दिया है। इस समय कैंप में बच्चों को स्कूल में बुलाकर शामिल होने का फरमान दिया गया है। संघ पदाधिकारी ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को गर्मी की छुट्टियों के दौरान पांच से 11 जून तक बुलाकर समर कैंप आयोजित करने का निर्देश जानबूझकर शिक्षकों को परेशान करना है। इस भीषण गर्मी में शासन का आदेश अव्यावहारिक है। डायरेक्ट बेनिफिशियरी ट्रांसफर कार्य के लिए छुट्टी के बाद शिक्षकों पर दबाव बनाया जा रहा है। शिक्षकों को प्रतिकर अवकाश उपलब्ध नहीं है, उपार्जित एवं अर्जित अवकाश दिए जा रहे हैं। ग्रीष्म अवकाश शुरू होने के बाद समर कैंप आयोजन अमानवीय है। इस दौरान अध्यापक परिवार एवं बच्चों के साथ अपने गृह जनपद में भीषण गर्मी के चलते घरों में सुरक्षित हैं। ऐसे में यह आदेश आने पर शिक्षक के साथ उनके परिवार हलकान है।

# ट्रेन की चपेट में आकर घायल शख्स ने मेडिकल कॉलेज की छत से छलांग लगाई, मौत

**संवाददाता–देवरिया।**महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज की हॉस्पिटल बिल्डिंग से एक शख्स ने छलांग लगाकर जान दे दी। ट्रेन की चपेट में आकर घायल होने के बाद उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उससे मिलने परिवार या जान–पहचान का कोई शख्स नहीं आया था। मेडिकल कॉलेज में भर्ती एक मरीज ने बुधवार की सुबह अस्पताल की तीसरी बिल्डिंग से छलांग लगा कर जान दे दी। घटना के बाद मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज छानबीन में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में मंगलवार की सुबह 8 बजे किसी ने सत्येंद्र कुमार गौतम (उम्र 32 वर्ष) पुत्र कन्हैया गौतम, निवासी इटावा भरौली थाना गौरीबाजार को लाकर घायल अवस्था में भर्ती कराया था। भर्ती कराते समय बताया गया कि वह ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गया है। उसके साथ सकाया कोई परिजन नहीं था। इमरजेंसी में प्राथमिक उपचार के बाद उसे सर्जिकल वार्ड में रेफर कर दिया गया। रात में भी उसका कोई परिजन उससे मिलने नहीं आया। बुधवार की सुबह उसने मेडिकल कॉलेज के सर्जिकल वार्ड छलांग लगा दिया। मरीज के अस्पताल की बिल्डिंग से कूदने की सूचना मिलते ही मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में उसका इलाज शुरू कराया गया लेकिन उसी दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को घटना की जानकारी देने के साथ ही पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि सत्येंद्र कुमार नशे का आदी था। समाचार लिखे जाने तक उसका कोई परिजन अस्पताल नहीं पहुंचा था। मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉ. एचके मिश्रा ने इस बारे में बताया कि मंगलवार को घायल अवस्था में सत्येंद्र कुमार को इमरजेंसी में किसी ने भर्ती कराया था। इलाज के बाद उसे सर्जिकल वार्ड में भेज दिया गया था। बुधवार की सुबह अस्पताल की बिल्डिंग के समीप वह घायल अवस्था में मिला। इलाज के दौरान मौत हो गई।

# हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने के लिए तैयार हैं विपक्षी दल –अमित शाह

**संवाददाता–देवरिया।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को देवरिया में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने तुष्टीकरण की राजनीति के लिए पिछड़े समाज के आरक्षण पर कैंची चलाने का काम किया है। अमित शाह ने कहा कि विपक्षी दल कहते हैं कि भाजपा आरक्षण खत्म कर देगी। दस वर्ष से भाजपा की सरकार है, कोई आरक्षण खत्म नहीं किया गया। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस वाले झूठ बोलने में माहिर हैं। अभी ये सहारा के रिफंड का मुद्दा उठा रहे हैं। जब सहारा का घोटाला हुआ तो किसका राज था? अरे अखिलेश बाबू, आपकी सरकार में घोटाला हुआ। मोदी जी ने तो रिफंड की शुरुआत की। मैं आज यहां कह रहा हूं कि सहारा में जिन लोगों का पैसा फंसा है, हम उनकी पाई–पाई वापस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राममक्तों पर गोली चलाने वाले और राम मंदिर बनाने वालों के बीच का चुनाव है। आपको तय करना है कि आप राम मंदिर बनाने वाले नरेंद्र मोदी जी के साथ रहोगे या गोली चलाने वाली सपा–कांग्रेस के साथ? अमित शाह ने कहा कि पीओके हमारा है और हम उसे लेकर रहेंगे। आपकी एक वोट की ताकत देखिए कि मोदी जी ने आतंकवाद से मुक्त करा दिया। पुलवामा में आतंकवादी हमला हुआ, भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक की और पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकवादियों को मारा है। कांग्रेस पार्टी देश को डरा रही है कि पीओके की बात मत करो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। अरे, राहुल बाबा पाकिस्तान के एटम बम से हम भाजपा वाले नहीं डरते। उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी 305 सीट पाचवें चरण में ही पार कर चुके हैं। छठे और सातवें चरण में 400 पार करने वाले हैं। 4 जून को काउंटिंग है, 4 जून की दोपहर को ये दोनों शहजादे (राहुल गांधी और अखिलेश यादव) प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और कहेंगे कि ईवीएम खराब थी, इसलिए हम हार गए। इन्होंने तय कर लिया है कि अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ना है। 4 जून को ईवीएम पर हार का ठीकरा फोड़ेंगे और 6 जून की इनकी टिकट बुक है, ये बैंकाक–थाईलैंड छुट्टी मनाने चले जाएंगे। राहुल बाबा 40 सीट भी पार नहीं कर रहे हैं और अखिलेश जी 4 के अंदर रहने वाले हैं। अमित शाह ने आगे कहा कि देवरिया चीनी का कटोरा कहा जाता था, सपा– बसपा की सरकार में चीनी मिल बंद कर दी गई। हर जिले में एक– एक बड़ी चीनी मिल चालू की जाएगी। एथनॉल को बढ़ावा देकर किसानों का भला किया गया है। मोदी जी ने को–ऑपरेटिव मंत्रालय चालू किया है। इस पूरे क्षेत्र के हर जिले में एक–एक बड़ी को–ऑपरेटिव चीनी मिल मोदी जी चालू करने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि एक समय पूरा उत्तर प्रदेश माफिया और मच्छरों से घिरा था। हमारे योगी आदित्यनाथ ने मच्छर और माफिया दोनों का सफाया कर दिया। स्वच्छता करके मच्छर को समाप्त किया और उनका एक स्टाइल है, जिससे उन्होंने माफिया को भी समाप्त कर दिया। ये भूमि महान तपस्वी संत, युग प्रवर्तक देवरहा बाबा की भूमि है। देवरहा बाबा ही थे, जिन्होंने सालों पहले कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर बनने से कोई नहीं रोक सकता। आज देखिए, 75 साल से अटके हुए राम मंदिर का भूमि पूजन भी हुआ, बन भी गया और मोदी जी ने जनवरी में प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी।

# नाबालिग के साथ दुष्कर्म का आरोपी युवक गिरफ्तार

**संवाददाता–गोण्डा।** स्थानीय पुलिस ने बुधवार को नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक फरार चल रहा था। थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग युवती के साथ परसपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने यौन उत्पीड़न किया था। पीड़िता के पिता ने एक माह पूर्व कटरा बाजार थाने में एक महिला सहित दो के विरुद्ध पाक्सो सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने परसपुर थाना क्षेत्र के सुसुंडा निवासी युवक राजकुमार व कटरा बाजार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला के विरुद्ध केस दर्ज कराया था। इसमें आरोपी युवक काफी दिनों से फरार था। बुधवार को उपनिरीक्षक सुनील कुमार मय टीम के साथ सीरपुरवा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया है। उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

# चुनाव में जीत के बाद नहीं निकाल पाएंगे विजय जुलूस

**संवाददाता–गोण्डा।** लोकसभा चुनाव के काउंटिंग को लेकर आयोग के साथ–साथ जिला निर्वाचन अधिकारी ने गाइडलाइन जारी कर दी। आयोग के नियमों के मुताबिक साफ छवि के व्यक्ति के व्यक्ति ही मतगणना एजेंट बन सकते। बिना पहचान पत्र के मतगणना हाल में एजेंट प्रवेश नहीं कर सकेंगे। विजयी जुलूस निकालने और हर्ष फायरिंग पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। निर्वाचन अधिकारी नेहा शर्मा ने लोकसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों के चुनाव अभिकर्ताओं के साथ एनआईसी सभागार में बैठक की। उन्होंने सभी 4 जून को होने वाली मतगणना के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि 4 जून को होने वाली मतगणना के लिए सभी प्रत्याशी अपना मतगणना एजेंट नियुक्त कर सकते हैं। मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना हॉल में जाने के लिए पहचान पत्र रखना अनिवार्य होगा। पहचान पत्र जारी करने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। मतगणना अभिकर्ताओं के पहचान पत्र निर्गत करने के लिए दो अधिकारियों को नियुक्त कर दिया है। कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली पयागपुर, कैसरगंज, कटरा बाजार, करनैलगंज व तरबगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए नगर मजिस्ट्रेट एवं गोंडा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उतरौला मेहनौन गोंडा मनकापुर व गौरा विधानसभा क्षेत्र के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी दल ऐसे व्यक्ति को मतगणना अभिकर्ता बनाएं जो साफ छवि का हो और विवादित ना हो। मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था ना फैलाएं। मतगणना अभिकर्ता को भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा निर्देशों का पालन करना होगा। बिना अनुमति मतगणना स्थल पर नहीं मिलेगी एंट्रीमतगणना हॉल के बाहर सुरक्षाकर्मियों की भारी तैनाती रहेगी। किसी भी व्यक्ति को बिना अनुमति के कमरे में प्रवेश करने या छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मतगणना केंद्र के अंदर आयोग के पर्यवेक्षकों और काउंटिंग डेटा प्रसारित करने के आधिकारिक उपयोग के लिए आवश्यक उपकरणों के अलावा किसी भी मोबाइल फोन, आई–पैड, लैपटॉप या किसी भी ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण की अनुमति नहीं होगी। हर्ष फायरिंग पर रहेगा प्रतिबंध। यह लोग नहीं बन सकेंगे मतगणना एजेंटमतगणना स्थल में सुरक्षाकर्मियों के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति अस्त्र, शस्त्र, विस्फोटक पदार्थ लेकर प्रवेश नहीं करेगा। मतगणना के प्रारंभ से अंत तक किसी भी दशा में किसी भी व्यक्ति द्वारा हर्ष फायरिंग नहीं की जाएगी। मंत्री, सांसद, विधानसभा, विधानसभा परिषद सदस्य, निकायों के अध्यक्ष, प्रमुख, जिला पंचायत के अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख चुने हुए अध्यक्ष व सदस्य मतगणना अभिकर्ता नहीं होंगे। हालांकि ग्राम प्रधान व सदस्य मतगणना अभिकर्ता नियुक्त हो सकते हैं। मतगणना परिसर के अंदर मतगणना कर्मी व मतगणना अभिकर्ता मोबाइल कैमरा लेकर प्रवेश नहीं करेंगे।

# अवसर मिला तो देश के साथ गद्दारी करेगी कांग्रेस व सपा -सीएम योगी

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस, सपा समेत इंडी गठबंधन पर हमला जारी रखते हुए कहा कि भाजपा जहां मोदी के नेतृत्व में विकास, गरीब कल्याण, देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए कार्य कर रही है, तो वहीं सपा और कांग्रेस भारत के विभाजन के लिए षड्यंत्र कर रही है। इनका घोषणा पत्र कहता है कि इन्हें अवसर मिला तो ये पार्टियां देश के साथ गद्दारी करेंगी, देश को धोखा देंगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि देश ने देखा है कि दो लड़कों की जोड़ी जब भी मिली, अनर्थ ही हुआ। सीएम योगी बुधवार को गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद व प्रत्याशी रविकिशन शुक्ल के पक्ष में सहजनवा में आयोजित जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ को संबोधित कर रहे थे। कहा, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार और यूपी में सपा की सरकार थी तो अयोध्या में राम मंदिर और काशी में संकटमोचन मंदिर में आतंकी हमला हुआ था।

आज ये लोग फिर उसी मंशा के साथ आकर देश के सामाजिक तानेबाने को अलग–अलग करना चाहते हैं। कांग्रेस–सपा की मंशा पर्सनल लॉ लागू करने की है। सीएम योगी ने कहा कि पर्सनल लॉ लागू करने का मतलब तालीबानी शासन है। ये लोग मोदी सरकार में खत्म की गई तीन तलाक की कुप्रथा को फिर से लागू करना चाहते हैं। पर्सनल लॉ लागू हुआ तो बेटी स्कूल नहीं जा सकेगी, महिला बाजार या आफिस नहीं जा सकेगी। घर में बुर्का पहनकर दुबककर रहना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा यह घोषणा कर रही है कि यह देश बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान से ही चलेगा। हम देश को शरीयत से नहीं चलने देंगे। सीएम योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन यानी कांग्रेस और सपा की मंशा वरासत टैक्स लगाने की है। यह एक प्रकार से वही जजिया कर है, जिसे क्रूर मुगल बादशाह औरंगजेब ने हिंदुओं पर लगाया था। वो इतना क्रूर शासक था कि उसने अपने भाई की हत्या कर दी थी, अपने बाप को जेल में डालकर एक–एक बूंद पानी के लिए तरसा दिया था। सीएम ने कहा कि औरंगजेब के बाप शाहजहां ने कहा था कि औरंगजेब जैसा पुत्र किसी के घर न पैदा हो। इसने अपने बाप को जीते जी पानी के लिए तरसा दिया। इससे अच्छे तो हिंदू हैं जो जीते जी अपने माता–पिता का ख्याल तो रखते ही हैं, मरने के बाद भी श्राद्ध और तर्पण से भी उन्हें सम्मान देते हैं। भीषण तपती दोपहरी में जुटी भारी भीड़ से आत्मीय रिश्ता मजबूत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हम तो आपके ही परिवार के हिस्से हैं। उन्होंने सबको आश्वस्त करते हुए कहा कि आज जो पसीना आप भाजपा और मोदी जी के लिए बहा रहे हैं, उसका कर्ज समग्र विकास के रूप में लौटाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर के निर्माण और रामलला के विराजमान होने का उल्लेख करने के साथ कहा कि आज की अयोध्या में ऐसा लगता है जैसा प्रभु राम साक्षात विराजमान होकर आशीर्वाद बरसा रहे हों। मंदिर निर्माण तो मोदी जी के नेतृत्व में हुआ, लेकिन इस पुण्य के भागीदार आप सभी हैं, जिन्होंने मोदी–योगी को सत्ता सौंपी। मुख्यमंत्री ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर और काशी में विश्वनाथ धाम की भव्यता का उल्लेख करने के साथ गोरखपुर में आए बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि अयोध्या और काशी के साथ गोरखपुर और सहजनवा में भी नएपन के दर्शन हो रहे है। सहजनवा में चारलेन की सड़कें, ओवब्रिज, नई फैक्ट्रियां, स्टेडियम और गरीबों, श्रमिकों के बच्चों की मुफ्त शिक्षा के लिए अटल आवासीय विद्यालय बन गया है तो गोरखपुर में एम्स, खाद कारखाना बन गया है।

# बांसगांव में सीएम योगी ने कहा,गीडा के तर्ज पर धुरियापार में नया औद्योगिक क्षेत्र होगा विकसित

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है देश में बीते 10 साल में व्यापक बदलाव हुए हैं। सरकारें पहले भी थीं, पैसा पहले भी था, देश और प्रदेश भी वही था, मगर तब विकास की सोच नहीं थी, केवल अपने परिवार के विकास की सोच ही हावी थी। मगर, हमारे अंदर जनता की खुशहाली के लिए जूझने का जज्बा है। उन्होंने कहा कि गीडा की तर्ज पर धुरियापार में भी नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा, जिसके बाद पूरी दुनिया यहां नौकरी मांगने आएगी। योगी आदित्यनाथ बुधवार को कौड़ीराम में गोरखपुर लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी कमलेश पासवान के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो पसीना आप कमल फूल के लिए बहा रहे हैं, इस कर्ज को यहां का विकास करके चुकाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार अंतिम चरण में आ चुका है। शुरू ही से पूरे देश में उत्साह देखने को मिला है। शुरू में मौसम ठीक था, मगर ये गर्मी बताती है कि बरसात अच्छी होगी और वोट भी अच्छे पड़ने वाले हैं। आज पूरे देश में एक ही नारा गूंज रहा है, कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार चार सौ पार। इस नारे से सपा और कांग्रेस को चक्कर आने लगा है, क्योंकि ये 400 सीटों पर चुनाव भी नहीं लड़ रहे।

सीएम योगी ने कहा कि आज एक नई अयोध्या बन चुकी है, ऐसे लगता है जैसे प्रभु श्रीराम साक्षात विराजमान होकर हमपर अपनी कृपा बरसा रहे हैं। अयोध्या में रामलला विराजमान हो चुके हैं, मगर उससे पहले ही वहां के इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया। विश्रामालयों का नाम निषाद राज के नाम पर और माता शबरी के नाम पर भोजनालयों का नामकरण किया गया। हम सौभाग्यशाली पीढ़ी हैं। हमने रामलला को विराजमान होते देखा है। आप कह सकते हैं कि हमारे कारण ये काम हुआ है। जिसने भी कमल के फूल पर वोट दिया है वह कह सकता है कि भगवान श्रीराम हमारे कारण विराजमान हुए हैं। यह इस लोक और परलोक को सुधारने वाला कार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 साल में हमने बदलते हुए भारत को देखा है। हमने दुनिया में नई पहचान बनाई है। दुनिया में कहीं संकट आता है तो वह भारत की ओर देखती है। आज सीमाओं पर घुसपैठ नहीं होती। कांग्रेस और सपा राज में आतंकी विस्फोट होते थे, आज सब समाप्त हो चुका है। एक पटाखा भी फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। उसे पता है कि उसका नाम आ गया तो उसका काम तमाम होना तय है।

सीएम योगी ने कहा कि आज कौड़ीराम से गोरखपुर 10 मिनट की दूरी पर है। वाराणसी दो घंटे की दूरी पर है। कनेक्टिविटी अच्छी हो चुकी है। कांग्रेस के समय में धुरियापार में चीनी मिल लगी थी, जो एक दिन भी नहीं चली आज वहां कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट लग या है। अभी तो हमारा प्रयास है कि हम गीडा के तर्ज पर एक नया क्षेत्र वहां विकसित करने जा रहे हैं। एक सिमेंट फैक्ट्री भी लगाने जा रहे हैं। गोरखपुर के दक्षिणांचल के लोगों ने 100 साल पहले सिंगापुर, लाओस और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में जाकर काम किया। अब आपको बाहर नहीं जाना होगा, अब दुनिया यहां नौकरी मांगने आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कौड़ीराम का क्या हाल था, हर कोई जानता है। आज यहां बाईपास बन चुका है। एक तरफ विकास, सुरक्षा और सम्मान पर काम हुआ है, तो वहीं कांग्रेस और सपा के शासनकाल में गरीब भूख से मरता था, बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। इन्सेफलाइटिस से बच्चे दम तोड़ते थे और कोई पूछने वाला नहीं था। आज किसी गरीब का बच्चा नहीं मरता, क्योंकि इन्सेफलाइटिस को समाप्त कर दिया गया है। कोई किसी बेटी और व्यापारी को तंग नहीं कर सकता, क्योंकि माफिया को समाप्त कर दिया गया है। 80 करोड़ जनता को फ्री राशन दिया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि वह सत्ता में आएगी तो पर्सनल लॉ लागू करेगी। तब न बेटी स्कूल जा पाएगी, न महिलाएं ऑफिस या बाजार जा सकेंगी। दादी जो नारा लगाती थी, गरीबी हटाने के लिए 54 साल बाद पोता भी वही नारा लगा रहा है। ये विरासत टैक्स लगाकर शरिया कानून लागू करना चाहते हैं, जो औरंगजेब का जजिया कर है। आज कोई सभ्य मुस्लिम अपने बेटे का नाम औरंगजेब नहीं रखता। हमें औरंगजेब को दोबारा जिंदा नहीं होने देना है। इसके लिए फिर एक बार मोदी सरकार आवश्यक है। इस अवसर पर राजेश त्रिपाठी, विमलेश पासवान, देवेन्द्र यादव, नित्यानंद मिश्र, मार्कण्डेय राय, महंत सिंह, मनोज शुक्ला सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

# बानगंगा में नहाने गए दो किशोर डूबे, नहीं मिल सका सुराग

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के बैदौली गांव के शमशान घाट के पास से बही बानगंगा नदी में दो किशोर बुधवार सुबह साढ़े दस बजे डूब कर लापता हो गए। दोनों गर्मी से परेशान होकर दोस्तों संग नहाने गए थे। स्थानीय गोताखोरों की तलाश में पता नहीं चल सका है। पुलिस ने एनडीआरएफ को बुलाया है जो सर्च आपरेशन चलाएगी।

शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के जखौली गांव निवासी अखिलेश यादव (14) पुत्र दशरथ यादव व अखिलेश यादव (15) पुत्र तीरथ गांव के ही अपने कुछ दोस्तों संग गांव से एक किमी दूर बैदौली श्मशान घाट के पास से बही बानगंगा नदी में नहाने गए थे। नहाते हुए दोनों गहरे पानी में जाकर डूबने लगे तो साथ गए किशोरों ने शोर मचाया तो आसपास भैंस चरा रहे कुछ चरवाहे बचाने के लिए नदी में कूद गए लेकिन वह कामयाब नहीं हो सके। एक बार डूबने के बाद दोनों बाहर नहीं दिखाई दिए। स्थानीय गोताखोरों ने भी शाम तक तलाश की लेकिन कुछ सुराग नहीं मिल सका। मौके पर शोहरतगढ़ थाना की पुलिस भी पहुंच गई थी। थानाध्यक्ष राजकुमार पांडेय ने बताया कि किशोरों के डूबने की खबर के बाद ही वह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए थे। शाम तक किशारों का पता नहीं चल सका है। एनडीआरएफ टीम गोरखपुर से बुलाई गई है। उसे आने में समय लगेगा। उनके आने के बाद आगे का सर्च आपरेशन चलाया जाएगा।

एक ही नाम के डूबे दो दोस्तों के परिवार के लोग ही नहीं पूरा गांव उनकी सलामती की दुआ कर रहा है। किशोरों के डूबने के बाद उनका पता नहीं चलने से परिजनों के चेहरे पर अनहोनी की आशंका की लकीरें साफ दिखाई दे रही हैं बावजूद इसके वह लोग दुआ कर रहे हैं कि उनका लाल सही सलामत हो।

# जोगिया ब्लाक प्रमुख के खिलाफ अविश्वास नोटिस खारिज

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** जोगिया ब्लॉक प्रमुख सावित्री देवी के खिलाफ दिया गया अविश्वास नोटिस त्रुटिपूर्ण होने की वजह से डीएम ने खारिज कर दिया है। 47 क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने एक मार्च को नोटिस दिया था। बीडीसी सुनील कुमार पांडेय के नेतृत्व में एक मार्च को 47 क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने ब्लॉक प्रमुख पर कई आरोप लगाते हुए अविश्वास का नोटिस दिया था। डीएम ने सरकारी वकीलों से विचार विर्मश कर त्रुटिपूर्ण होने की वजह से खारिज कर दी।

## ई–रिक्शा से वोटरों को बूथों तक पहुंचाएगी 'बुलावा टोली

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्य विकास अधिकारी संजय कुमार मीणा ने मतदान के दिन हीट वेव की संभावना को देखते हुए वोटरों के लिए विशेष व्यवस्था की है। सीडीओ ने बताया कि बूथ तक वोटरों को पहुंचाने के लिए बुलावा टोली को सक्रिय किया जा रहा है। हीट वेव को देखते हुए ई–रिक्शा और पेयजल की व्यवस्था बूथों पर की जा रही है। सीडीओ ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर 'बुलावा टोली का गठन किया गया है। यह बुलावा टोली लोगों के घर–घर जाकर दस्तक देगी और उन्हें वोट डालने के लिए जागरूक करेगी। सीडीओ ने बताया कि जिले की आठ विधानसभा का मतदान 1 जून को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा।

हीट वेव को देखते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर बुलावा टोली का गठन किया गया है। ग्राम पंचायत सेक्रेटरी, रोजगार सेवक, सफाई कर्मी, आशा, एएनएम को अभियान के तहत लगाया गया है।

# नहा रही वृद्ध महिला की पंपसेट में फंसी साड़ी, मौत

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** कठेला समय माता थाना क्षेत्र के इटहिया गांव की रहने वाली एक बुजुर्ग महिला की नहाने के दौरान पंपसेट में साड़ी फंसने से मौत हो गई। मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। इटहिया गांव निवासी महमूदन (85) पत्नी अहमद अली के खेत में बुधवार को पानी चल रहा था। गर्मी से परेशान महमूदन खेत की ओर गई तो वह पंपसेट से निकलने वाले पानी से नहाने लगी। इस दौरान उसकी साड़ी का पल्लू पंपसेट के पहिया में फंस गया इससे उसकी गर्दन कस गई। हादसा देख मौके पर मौजूद लोगों ने पंपसेट बंद कर महिला की साड़ी छुड़ा कर उसे किनारे पहुंचाया और तत्काल जिला अस्पताल के लिए निकल पड़े। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। बुजुर्ग महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। कठेला समय माता के थानाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। तहरीर नहीं मिली है।

## चिड़ियाघर में बब्बर शेर भरत और गौरी के बाड़े में लगाए गए एसी

**संवाददाता–गोरखपुर।** शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (चिड़ियाघर) के बाड़े में नौतपा का असर वन्यजीवों और पशु पक्षियों पर पड़ रहा है। गर्मी को देखते हुए जानवरों के बाड़ों में कूलर की संख्या बढ़ा दी गई है। साथ ही कुछ बाड़ों में एसी के इंतजाम किए गए हैं। जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए चिड़ियाघर प्रशासन सुबह छह बजे ही उन्हें बाड़े से निकाल दे रहे हैं। इटावा लायन सफारी से लाए गए बब्बर शेर भरत और गौरी को गर्मी से राहत दिलाने के लिए उनके नाइट सेल में कूलर के साथ एसी के इंतजाम किए गए हैं। कूलर में बर्फ रखकर तापमान को मेंटेन करने की कोशिश में चिड़ियाघर प्रशासन जुटा हुआ है, लेकिन गर्मी इतनी अधिक है कि कूलर का असर जानवरों पर बिल्कुल नहीं हो रहा है। इसकी वजह से जानवर परेशान हो गए हैं। सबसे अधिक दिक्कत हिरण, शेर पटौदी, बाघ अमर और गीता को हो रहा है। चिड़ियाघर प्रशासन ने वन्यजीव के बाड़ों में एसी और कूलर लगाया है। हिरण, शेर और बाघ दिन भर ठंडे पानी में बैठे रह रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी उन्हें दिक्कतें हो रही है। दिनभर उनका बाड़ा खुला छोड़ दिया ज रहा है। पक्षियों के बाड़े के बाहर लगे खस पर कर्मचारी दिनभर में पांच से छह बार पानी की बौछार कर रहे हैं। गेंडा के बाड़े में बने तालाब के चारों तरफ फव्वारा लगाया गया है।

# नकली काला नमक धान की तलाश में 11 स्थानों पर छापे

**संवाददाता–गोरखपुर।** जिला कृषि अधिकारी डीपी सिंह ने बिना अनुमति एवं पीआरडीएफ के कालानमक किरन धान के बीज दूसरे नाम पर बिक्री रोकने के लिए 11 दुकानों पर औचक छापेमारी की। इस छापेमारी से बीज विक्रेताओं में हड़कंप की स्थिति रही। हालांकि कही कोई अनियमितता नहीं मिली।

महात्मा बुद्ध के महाप्रसाद काला नमक धान को नवजीवन देने के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कृषि वैज्ञानिक डॉ रामचेत चौधरी ने बाजार में काला नमक किरण धान के बीज बिक्री पर सवाल उठाए थे। कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश को पत्र लिख कर आरोप लगाया था कि काला नमक धान के भौगोलिक संकेत (जीआई) वाले जिलों में नकली काला नमक और कालानमक किरण नाम से धान के बीज की बिक्री की जा रही है। जिला कृषि अधिकारी डीपी सिंह ने मेसर्स कुमार एग्रो जनता मार्केट, मेसर्स विष्णु एग्रो जनता मार्केट, मेसर्स अमय ट्रेडर्स, मेसर्स शाह ट्रेडिंग कंपनी, मेसर्स किसान घर जनता मार्केट, मेसर्स उत्तम बीज भंडार, रेलवे बस स्टैंड पर छापेमारी की। यहां कालानमक धान का बीज बिक्री के लिए नहीं मिला। उधर मेसर्स भारतीय किसान घर, मेसर्स श्याम एग्री टेक जनता मार्केट, न्यू किसान घर जनता मार्केट में पीआरडीएफ और ओम ब्रांड का अधिकृत कालानमक धान का बीज मिला। जिला कृषि अधिकारी ने मेसर्स पीआरडीएफ शिवपुर सहबाजगंज के प्रतिष्ठान का भी निरीक्षण किया। यहां कालानमक किरण, केएन–1, केएन–2 और केएन–3 कालानमक धान का बीज बिक्री के लिए उपलब्ध था। मेसर्स कृषक सेवा केंद्र पादरी बाजार में भी निरीक्षण में एग्रो ब्रांड का कालानमक धान का बीज मिला जिसे यूपी में बिक्री की अनुमति है। बीज निबंधन अधिकारीजिला कृषि अधिकारी डीपी सिंह ने बताया कि उन्होंने सभी विक्रेताओं को चेताया है कि कालानमक धान समेत धान के अन्य बीज जिन्हें उत्तर प्रदेश में बिक्री के लिए अधिकृत नहीं किया गया है, बिक्री न करें। अन्यथा बीज अधिनियम 1966 एवं बीज नियंत्रण आदेश 1983 के अंतर्गत विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

# सीएम योगी ने कहा, पर्सनल ला या शरीयत से नहीं, बाबा साहब के बनाए संविधान से चलेगा देश

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक बार फिर कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर संविधान का मखौल उड़ाने और एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाकर अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों को बांटने के कुत्सित प्रयास करने का आरोप लगाया। बुधवार को अपनी जनसभाओं को संबोधित करने के लिए गोरखपुर से निकलने से पहले सीएम योगी ने एक बार फिर स्पष्ट रूप से कहा कि यह देश बाबा साहब आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा, न कि पर्सनल और शरीयत कानून से। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अपनी हार सुनिश्चित मानकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। इनकी मंशा कभी पूरी नहीं होगी। भारत की जनता बहुत जागरूक है और वह मोदी जी के नेतृत्व में फिर एक बार मोदी सरकार बनाएगी और अब तो जनता की ओर से ही आवाज आ रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे और राम भक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर। स्वाभाविक रूप से मोदी जी ही परम राम भक्त और परम राष्ट्र भक्त हैं तो मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए और भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी और इस दिशा में हम आगे बढ़ चुके हैं।

सीएम योगी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि संविधान का सबसे ज्यादा मखौल कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन से जुड़े लोगों ने उड़ाया है और आज भी वह यही कर रहे हैं। देश के अंदर स्वतंत्र भारत में संविधान बना ही था कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के विपरीत जाकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने धारा 370 को देश के संविधान में जबरन डालने का काम किया था। कांग्रेस ने संविधान में कितने संशोधन किए यह किसी से छुपे नहीं हैं। कांग्रेस ने अपनी पहली ही सरकार में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कैद करने का कार्य किया था तो 1975 में इमरजेंसी के माध्यम से संविधान का गला घोंटने का काम भी कांग्रेस ने ही किया था। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर बार–बार इस बात को कहते थे कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता। उन्होंने संविधान सभा में भी और बाद में भी इसका विरोध किया, लेकिन कांग्रेस ने लगातार यह प्रयास किया कि एससी, एसटी, ओबीसी के मिलने वाले आरक्षण में सेंध लगाकर इसमें से कुछ हिस्सा काटकर अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों को दे दिया जाए। उन्होंने कहा कि यूपीए गवर्नमेंट के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का एक बयान जगजाहिर है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों में पहला अधिकार मुसलमानों का है। यूपीए सरकार के समय जस्टिस रंगनाथ मिश्रा कमेटी और जस्टिस राजेंद्र सच्चर कमेटी एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाने की कुत्सित मंशा के साथ ही बनाई गई थी। कांग्रेस की आंध्रप्रदेश और कर्नाटक की सरकार ने ओबीसी के आरक्षण को मुसलमानों में बांटने का बंदरबांट भी किया है।

सीएम योगी ने कांग्रेस समेत उसके गठबंधन के अन्य दलों पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि संविधान का सर्वाधिक मजाक कांग्रेस और उसके गठबंधन चाहे वो सपा हो, टीएमसी हो, आरजेडी हो या फिर आम आदमी पार्टी हो, इन सभी ने उड़ाया है और ये लोग आज भी यही प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने 2012 और 2014 के इलेक्शन में अपने मैनिफेस्टो में इस बात का उल्लेख किया था कि वह मुसलमानों को भी आरक्षण देगी। उत्तर प्रदेश की पीएसी में 15 फीसदी आरक्षण की घोषणा भी इसी समाजवादी पार्टी ने की थी। सपा का चरित्र जगजाहिर है, इसी तरह आरजेडी में लालू यादव भी बोल चुके हैं कि बिहार के अंदर सभी मुसलमानों को वे आरक्षण का लाभ देंगे। टीएमसी के एक फैसले को कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभी पूरी तरह पलटकर वहां की सरकार के मुंह पर तमाचा मारा है और कहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता। कांग्रेस का मैनिफेस्टो कहता है कि यह भारत के अंदर पर्सनल लॉ लागू करेंगे, पर्सनल लॉ लागू करने का मतलब तालिबानी शासन। बेटी स्कूल नहीं जा पाएगी, माताएं, बहनें बाजार और ऑफिस नहीं जा पाएंगी। बुर्का पहनकर घर में दबा रहना पड़ेगा। मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी बेटियों के सम्मान और उनकी सुरक्षा के प्रति संकल्पित है। भाजपा ने बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा दिया है तो मातृ वंदना योजना भी लाए हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पारित करवा कर महिलाओं को विधानसभा और संसद में 33 फीसदी आरक्षण की सुविधा प्रदान करने का काम भी किया है। बीजेपी की यह घोषणा है कि देश बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा। ये देश पर्सनल कॉनून और शरिया कानून से नहीं चलेगा। सीएम योगी ने 4 जून को भाजपा की प्रचंड जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए ने लोकसभा चुनाव प्रारंभ होते ही मोदी जी के नेतृत्व में 400 के लक्ष्य को पार करने का स्लोगन दिया था। यह देश की आम जनता के लिए मंत्र बन गया।

पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण जहां भी आप जाएंगे आपको एक ही नारा, एक ही स्वर सुनाई देगा, आम जनमानस के मन में एक ही संकल्प दिखाई देगा और वो यह है कि फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार। यह अचानक नहीं हुआ है, बल्कि दस वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में जो परिवर्तन हुआ है यह उसी का प्रतिफल है। चाहे वो दुनिया के अंदर भारत के सम्मान की बात हो, भारत की सुरक्षा की बात हो, भारत के अंदर विकास के नए–नए प्रतिमान स्थापित करने की बात हो। स्वाभाविक रूप से ये आवाज जनता की ओर से निकली है और जनता ही इसको एक मंत्र बनाकर आज आत्मसात कर रही है, इसलिए हम कह सकते हैं कि 4 जून को जब परिणाम सामने आएगा भारतीय जनता पार्टी और एनडीए 400 के लक्ष्य को पार करेगा।

## आदलती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 502/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डी0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

फूलचन्द्र आदि
बनाम
ज्ञानचन्द्र आदि

1. ज्ञानचन्द्र 2. घनश्याम 3. सुबाष चन्द्र 4. रमेश चन्द्र 5. महेश चन्द्र पुत्रगण भगवानदास निवासीगण ग्राम सराय घाट तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

6. बाबूलाल पुत्र राम बहाल 7. अनिल कुमार पुत्र राजेन्द्र निवासीगण ग्राम सराय घाट तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

**तारीख पेशी 31–05–2024**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## आदलती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 450/2018

श्रीमती कमला देवी
बनाम
मतऊ आदि

1/1 अशोक कुमार 1/2 राम कुमार 1/3 राजेश कुमार पुत्रगण मतऊ साकिन मुईली तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 22–07–2024**

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 22 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

# तीन लोगों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** जनपद में कानून–व्यवस्था बनाए रखने, अपराध व अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जोगिया पुलिस ने बुधवार को चोरी, छेड़खानी आदि मामलों में संलिप्त तीन लोगों पर गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। जोगिया पुलिस ने क्षेत्र के पकरडीहा गांव निवासी चन्द्र नारायन उर्फ शिवानंद पुत्र लक्ष्मी नारायन, शिवनारायन पुत्र लक्ष्मी नारायन व कपिया गांव निवासी विनोद पुत्र सम्पत पर धारा 3(3) गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 की कार्रवाई की है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com